RNI-UPHIN/2009/30721

शनिवार 26 जुलाई 2025
सुर्योदय प्रात: 05 :38 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 18 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

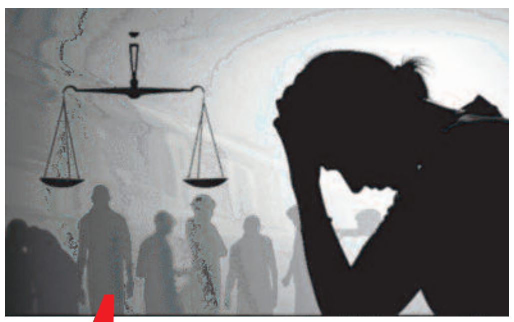

पृष्ठ 4 जब गुनहगार छूटते हैं और पीड़ित रह जाते हैं ...

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 281 | गाजियाबाद, शनिवार 26 जुलाई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 | CBDC | Paytm
Cred | PhonePe | Google Pay
DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

राजस्थान: स्कूल की छत गिरने से 7 बच्चों की मौत, 28 घायल

स्कूल में सुबह प्रार्थना के वक्त हुआ हादसा 28 छात्र हुए घायल, अस्पताल में इलाज जारी लोगों ने स्कूल की इमारत पर उठाए थे सवाल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिए जांच के निर्देश राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने हादसे पर जताया दुख

✷ वेबवार्ता. झालावाड़ ✷

राजस्थान के झालावाड़ जिले में शुक्रवार को सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा गिर गया। इस हादसे में सात छात्रों की मौत हो गई, जबकि 28 छात्र घायल हो गए। पीपलोदी गांव के सरकारी स्कूल में हादसा उस वक्त हुआ, जब छात्र सुबह की प्रार्थना के लिए इकट्ठा हो रहे थे, तभी छठी और सातवीं कक्षा की छत भर-भराकर गिर गई।

मृतकों में चांदपुरा गांव की प्रियंका (12), पिपलोदी निवासी पायल (13) एवं मीना (10), पिपलोदी निवासी कान्हा (09), कुन्दन (107, हरीश (11) एवं कार्तिक (08) शामिल हैं। घायलों में 12 विद्यार्थियों को सेटेलाईट अस्पताल अकलेरा एवं जिला अस्पताल झालावाड़ रेफर किया गया।

घटना के बाद मलबे का ढेर लग गया। घबराए हुए शिक्षक, अभिभावक और आसपास के अन्य लोगों ने छात्रों को मलबे से बाहर निकाला। घायलों को झालावाड़ अस्पताल और मनोहरथाना स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस हादसे से गुस्साए लोगों ने आरोप लगाया कि स्कूल भवन की खराब हालत के बारे में कई बार तहसीलदार और उपखंड अधिकारी सूचित किया गया था, लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की।

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि उन्होंने विभाग के उच्च अधिकारियों को घटनास्थल पर तुरंत पहुंचने और छात्रों का उचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, झालावाड़ के जिला कलेक्टर अजय सिंह के अनुसार, जिला प्रशासन ने हाल ही में शिक्षा विभाग को किसी भी जर्जर स्कूल भवन की जानकारी देने का निर्देश दिया था, लेकिन यह भवन सूची में शामिल नहीं था। इसकी जांच होगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने दिए जांच के निर्देश मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, 'झालावाड़ के पीपलोदी में स्कूल की छत गिरने से हुआ दर्दनाक हादसा दुखद एवं हृदयविदारक है। घायल बच्चों का उपचार सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति दें।' राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री व्यक्त किया शोक : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'राजस्थान के झालावाड़ में स्कूल की छत गिरने से कई छात्रों की मृत्यु और घायल होने का समाचार दुखद है। मेरी प्रार्थना है कि ईश्वर परिजनों को यह पीड़ा सहन करने की शक्ति दे। घायल हुए छात्रों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करती हूं।' - प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना में हुई मौतों पर गहरा शोक व्यक्त किया। मालदीव की दो दिवसीय यात्रा पर माले गए पीएम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'झालावाड़ के स्कूल में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं प्रभावित छात्रों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्राधिकारी पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रहे हैं।'

लोकसभा में गतिरोध खत्म हुआ, सोमवार से सदन में होगा कामकाज

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में एक सप्ताह से जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए सभी दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक बुलायी जिसमें गतिरोध को खत्म कर सोमवार से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बन गयी है।

लोकसभा सचिवालय की ओर से मिली जानकारी के अनुसार श्री बिरला ने सदन में गतिरोध समाप्त करने के लिए शुक्रवार को सभी दलों के प्रमुख नेताओं की बैठक बुलायी। इस बैठक संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल के अलावा विभिन दलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि बैठक में सोमवार से कामकाज सुचारू रूप से चलाने पर सभी विपक्षी दलों के साथ सहमति बन गयी है। इससे पहले आज लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा कर रहे सदस्यो से आग्रह करते हुए कहा था कि वह सरकार की प्रतिनिधि को बुलाकर विपक्ष के सदस्यों के साथ वार्ता कर समस्या का समाधान निकाल सकते हैं, लेकिन इसके लिए सदस्यों को चर्चा के लिए आना होगा और जानबूझकर सदन में बाधा डालने की प्रवृत्ति छोड़नी होगी। उन्होंने कहा कि गतिरोध दूर करने के लिए सभी को आपस में बात करनी होगी और सदन चलना चाहिए क्योंकि देश की 20-20 लाख की आबादी एक-एक सदस्य से अपने भविष्य की योजनाओं के लिए आस लगाई है और उन्हें उम्मीद रहती है।

दिल्ली पुलिस की महिला एसआई ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां दिल्ली पुलिस की एक महिला सब-इंस्पेक्टर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यह घटना नई दिल्ली स्थित रोहिणी सेक्टर-11 की है, जहां घर में महिला सब-इंस्पेक्टर का शव मिला, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस की टीम आनन-फानन में घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल कर रही है। दिल्ली पुलिस की महिला सब-इंस्पेक्टर ने घर में ही फांसी के फंदे से लटककर जान दे दी। वह साल 2021 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुई थी और साल 2024 में ही उसकी शादी हुई थी।

पुलिस के अनुसार, शादी के बाद दंपति के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। कुछ दिन पहले पति से तलाक हो गया था, जिसे लेकर वह काफी परेशान रहती थी। महिला सब इंस्पेक्टर की आत्महत्या करने की असली वजह क्या है? इसके बारे में कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है। इस मामले में जांच टीम पड़ोसियों से भी पूछताछ कर रही है।

बता दें कि इस साल मार्च में हरियाणा के बहादुरगढ़ में दिल्ली पुलिस के पूर्व सब इंस्पेक्टर ने खुद को लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। मृतक की पहचान नरेंद्र छिकारा (54) के रूप में हुई थी। नरेंद्र छिकारा पहले दिल्ली पुलिस में सब इंस्पेक्टर के रूप में सेवाएं दे चुके थे। काफी समय पहले उन्होंने वीआरएस ले लिया था। वे अपने परिवार से अलग रहते थे।

एनएचआरसी का यूपी के पुलिस महानिदेशक को नोटिस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में कथित तौर पर पुलिस टार्चर से तंग आकर एक व्यक्ति की आत्महत्या से संबंधित खबरों का संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। फर्रुखाबाद जिले में पुलिस के टार्चर के बाद एक व्यक्ति ने इस माह 15 जुलाई को आत्महत्या कर ली थी। बताया जा रहा है कि पुलिस ने उस व्यक्ति को उसकी पत्नी की शिकायत पर थाने बुलाया था। आयोग ने पाया है कि यदि खबर सत्य है, तो यह पीड़ित के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है। इस मामले में आयोग ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की वश्तृित रिपोर्ट मांगी है। मीडिया की 16 जुलाई की रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित अपने पिता के साथ समझौता करने थाने पहुंचा, लेकिन वहां उसे प्रताड़ित किया गया और मामले को निपटाने के लिए रश्वित की मांग की गई थी।

पकड़ा गया ओडिशा का करोड़पति डिप्टी रेंजर

✷ वेबवार्ता. भुवनेश्वर ✷। ओडिशा के कोरापुट जिले में भ्रष्टाचार विरोधी सतर्कता विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वन विभाग के अधिकारी के घर से डेढ़ करोड़ रुपये बरामद किए। बताया जा रहा है कि राम चंद्र नेपक नाम का आरोपी जेपोर वन रेंज में डिप्टी रेंजर के रूप में कार्यरत है। विभाग ने तलाशी अभियान में उसके घर से 1.44 करोड़ रुपये नकद और 1.5 किलोग्राम सोना बरामद किया। आय स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में यह कार्रवाई करते हुए विभाग ने आरोपी के छह ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। बरामद संपत्तियों में कोरापुट के जेपोर शहर में बना एक भवन और गोल्डन हाइट रेजिडेंशियल अपार्टमेंट में दो फ्लैट शामिल हैं। नेपाक ने मार्च 1989 में कोरापुट में सामाजिक वानिकी प्रभाग के अंतर्गत ग्राम वनकर्मी के रूप में करियर शुरू किया था। वर्तमान में उनका सकल मासिक वेतन 76,880 रुपये है। जांच विभाग का तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

पुंछ नियंत्रण रेखा पर बारूदी में सुरंग विस्फोट सैन्यकर्मी की मौत, दो अन्य घायल

✷ वेबवार्ता. पुंछ ✷। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में शुक्रवार को नियंत्रण रेखा पर एक बारूदी सुरंग विस्फोट में एक सैन्यकर्मी बलिदान हो गया और दो अन्य घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कृष्णा घाटी के सामान्य क्षेत्र में क्षेत्र प्रभुत्व गश्त के दौरान एक बारूदी सुरंग विस्फोट हुआ, जिसमें एक अग्निवीर जवान बलिदान हो गया और दो अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों में से एक जेसीओ है, जिसे एक सैन्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है और उनकी हालत स्थिर है। व्हाइट नाइट कोर के जीओसी और सभी रैंक अधिकारियों ने अग्निवीर ललित कुमार को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कृष्णा घाटी ब्रिगेड के सामान्य क्षेत्र में एक बारूदी सुरंग विस्फोट के बाद क्षेत्र प्रभुत्व गश्त के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि हम दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।

भारत की सहायता से बने मालदीव के रक्षा मंत्रालय भवन का उद्घाटन किया मोदी ने

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्ज़ू ने शुक्रवार को माले में भारत के सहयोग से बने मालदीव के अत्याधुनिक रक्षा मंत्रालय भवन का उद्घाटन किया। श्री मोदी मालदीव की दो दिन की यात्रा पर शुभ है वाले पहुंचे थे। यह ग्यारह मंजिला भवन हिंद महासागर के दृश्य के साथ दोनों देशों के बीच मज़बूत और दीर्घकालिक रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग का प्रतीक है।

न्यू अशोक नगर रैपिड स्टेशन पर कारगिल विजय दिवस स्मारक जोन का उद्घाटन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

26वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने भारतीय सशस्त्र बलों के वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी और उनके शौर्य को सम्मानित किया।

इस अवसर पर एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक शलभ गोयल ने न्यू अशोक नगर स्थित नमो भारत स्टेशन पर एक विशेष "कारगिल विजय दिवस स्मारक ज़ोन" का उद्घाटन किया। यह स्मारक ज़ोन कारगिल युद्ध में विषम परिस्थितियों में लड़े गए अद्भुत सैन्य अभियानों और वीर जवानों के साहस को समर्पित है।

इस कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में शहीद हुए कैप्टन विजयंत थापर के माता-पिता, तृप्ता थापर और कर्नल वी.एन. थापर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने पुत्र के जीवन, उनके सेना में योगदान और बलिदान से जुड़े भावनात्मक संस्मरण साझा किए।

कैप्टन विजयंत थापर द्वारा युद्ध से पहले लिखे गए उनके अंतिम पत्र का उल्लेख भी किया गया, जो देशभक्ति और समर्पण की मिसाल बना हुआ है।

एनसीआरटीसी प्रमुख शलभ गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि यह स्मारक ज़ोन केवल श्रद्धांजलि का माध्यम नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य हर यात्री को कारगिल विजय दिवस और सैनिकों के बलिदान से अवगत कराना है ताकि देशभक्ति की भावना गहराई से स्थापित हो।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं को प्रेरित करने हेतु एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। उनके द्वारा बनाए गए चित्रों को स्टेशन परिसर में निःशुल्क प्रदर्शित किया जा रहा है।

इस आयोजन का एक और प्रेरणादायक क्षण था प्रसिद्ध लेखक ऋषि राज द्वारा आयोजित कथा सत्र, जिसमें उन्होंने कारगिल युद्ध की वीरगाथाओं को बेहद भावनात्मक और प्रेरक अंदाज में प्रस्तुत किया। इस संपूर्ण आयोजन ने दर्शकों के मन में गहरी देशभक्ति की भावना जागृत की।

विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ा मानसून सत्र का पहला सप्ताह

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

संसद के मानसून सत्र का पहला सप्ताह ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा तथा बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया रोकने की मांग पर अड़े विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया और राज्य सभा में सोमवार को एक विधेयक के पारित होने के अलावा दोनों सदनों में कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका।

राज्य सभा में विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने लगातार चौथे दिन शुक्रवार को भी बिहार में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया, बंगाली आव्रजकों के साथ विभिन्न राज्यों में भेदभाव और छत्तीसगढ़ में औद्योगीकरण का वन क्षेत्रों पर प्रभाव जैसे मुद्दों पर तत्काल चर्चा कराने की मांग को लेकर जोरदार हंगामा किया। इसके कारण सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और बाद में सोमवार तक स्थगित कर दी गयी।

मानसून सत्र के पहले सप्ताह में राज्यसभा में सोमवार को छोड़कर किसी भी दिन विधायी कामकाज नहीं हो सका तथा पूरा सप्ताह हंगामे की भेंट चढ़ गया।

राज्यसभा में पहले स्थगन के बाद पीठासीन उप सभापति घनश्याम तिवाड़ी ने 12 बजे प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू करते हुए प्रश्न पूछने के लिए डॉ के लक्ष्मण का नाम पुकारा, विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के जवाब देने के लिए खड़े होते ही विपक्ष के सदस्यों ने नारेबाजी तेज कर दी। इस बीच, कांग्रेस और अन्य दलों के सदस्य आसन के सामने आकर जोर-जोर से नारेबाजी करने लगे। हंगामा बढ़ता देख पीठासीन उप सभापति ने कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले उप सभापति हरिवंश ने सुबह कार्यवाही शुरू होने पर प्रख्यात अभिनेता कमल हासन सहित चार नवनिर्वाचित सांसदों को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ दिलायी।

इस तरह मानसून सत्र के पहले सप्ताह में राज्य सभा में पहले दिन को छोड़कर किसी भी दिन कोई विधायी कामकाज नहीं हो सका तथा बाद के चार दिन हंगामे की भेंट चढ़ गये। लोक सभा की कार्यवाही भी विपक्ष के हंगामे के कारण पहले अपराह्न दो बजे तक और बाद में दिन भर के लिए स्थगित कर दी गयी। अध्यक्ष ओम बिरला ने पूर्वाह्न 11 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू की, विपक्षी दलों के सदस्य हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाते हुए सदन के बीचो-बीच आकर हंगामा करने लगे। उन्होंने हंगामे के बीच ही सदन चलाने का प्रयास किया। अध्यक्ष ने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा कि वे सुनियोजित तरीके से सदन की कार्यवाही में बाधा डाल रहे हैं।

मुर्मु के कार्यकाल के 3 वर्ष पूरे, नागरिकों के साथ राष्ट्रपति भवन का संपर्क बढा

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि उनके कार्यकाल में पिछले तीन वर्षों में लिए गये निर्णयों और कार्यों से राष्ट्रपति भवन दिव्यांगजनों के अनुकूल बना है और उसका नागरिकों के साथ संपर्क बढा है। श्रीमती मुर्मु ने उनके कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे होने के मौके पर शुक्रवार को यहां संक्षिप्त टिप्पणी में कहा कि उनके कार्यकाल में राष्ट्रपति भवन दिव्यांगजनों के अनुकूल बना है और अब राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट पर 22 भाषाओं में जानकारी उपलब्ध है।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह संतोष की बात है कि पिछले तीन वर्षों में कई ऐसे निर्णय लिए गए और कार्य किए गए जिनसे राष्ट्रपति भवन के साथ नागरिकों का संपर्क बढ़ा है। उन्होंने कहा, " हमारा सदैव यह प्रयास रहा है कि समाज के सभी वर्गों, विशेषकर वंचित और पिछड़े वर्गों को देश की विकास यात्रा से प्रभावी ढंग से जोड़ा जाए। "

उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि राष्ट्रपति भवन दिव्यांगजनों के लिए अधिक सुलभ हो गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में कई नई पहल की जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि श्रीमती मुर्मु के कार्यकाल में राष्ट्रपति भवन को दिव्यांगजनों के अनुकूल बनाया गया है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान की 50 सूत्री अनुशंसाओं को लागू करने के बाद राष्ट्रपति भवन, अमृत उद्यान और राष्ट्रपति भवन संग्रहालय दिव्यांगजनों के अनुकूल परिसर बन गए हैं। राष्ट्रपति भवन की वेबसाइटों पर अब बाइस भारतीय भाषाओं में जानकारी उपलब्ध है। इसके अलावा प्रेसीडेंट्स एस्टेट में आगंतुकों और निवासियों के लिए विभिन्न सुविधा शुरू गई हैं।

इनमें राष्ट्रपति भवन में आगंतुक सुविधा केंद्र, राष्ट्रपति निलयम, हैदराबाद में निलयम निकुंज, राष्ट्रपति निवास, मशोबरा में कैफेटेरिया, सोविनियर शॉप और स्वागत कक्ष तथा प्रेसीडेंट्स एस्टेट में एक पुनर्निर्मित जिम शामिल है। इसके अलावा 250 से अधिक मदों की नीलामी के लिए ई-उपहार सीजन 2 शुरू किया गया। नीलामी से प्राप्त सभी आय बच्चों के कल्याण से जुड़ी पहलों के लिए दान की जाएगी।

सैनिकों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी में पारंगत होना होगा : सीडीएस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि युद्ध के उभरते परिदृश्य में, भावी सैनिकों को सूचना एवं प्रौद्योगिकी में पारंगत होना होगा।

दिल्ली के सुब्रतो पार्क में शुक्रवार को थिंक टैंक सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज द्वारा आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बात कही। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने एक बार फिर कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है।

उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की तैयारियां हर समय अपने चरम पर रहती हैं। ऑपरेशन सिंदूर का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सेना 24 घंटे सातों दिन और साल भर तैयार रहती है। भविष्य में सेना को सूचना योद्धा, तकनीक योद्धा और विद्वान योद्धाओं की जरूरत होगी। वैश्विक श्तर पर युद्ध के जैसे हालात हैं उसके लिए सैनिकों को भी इन तीनों विधाओं में महारथ हासिल करनी होगी।

आधुनिक युद्ध 'तीसरी क्रांति' के युग में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि युद्ध में कोई उप-विजेता नहीं होता है। ऐसे में सेना को हमेशा सतर्क और हर हालात में ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। सीडीएस ने जोर देते हुए कहा कि सेना के लिए शस्त्र और शास्त्र दोनों सीखना जरूरी है।

दुश्म को बातचीत के लिए मेज पर लाए: वायुसेना ऑपरेशन सिंदूर ने साबित किया कि कैसे 50 से कम हथियारों की बदौलत दुश्मन को बातचीत के मेज पर लाया गया।

भारतीय वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने सेमिनार को संबोधित करते हुए ये बात कही। उन्होंने कहा कि ये एक उदाहरण है

नगर पालिका में रमेश इतवारी का आकस्मिक निधन पर ,चेयरमैनो के अध्यक्ष शेख शाहनवाज खलील व समस्त स्टाफ ने जताया शोक

एनसीआर टुडे. नगीना । पालिका परिषद के बिट्टू जमादार के ताऊ रमेश इतवारी का आकस्मिक निधन हो गया। जिससे पूरे पालिका परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। नगर पालिका परिषद के सभी कर्मचारियों ने शोक सभा की। ईश्वर से प्रार्थना की गई कि ईश्वर रमेश इतवारी की दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें। उनके शोकाकुल परिवार को इस दारुण दुख सहने की क्षमता प्रदान करें। इस शोक सभा में नगर पालिका परिषद नगीना के चेयरपर्सन ताहिरा खलील के बड़े बेटे शाहनवाज खलील तथा समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

ट्रेन से कटकर व्यक्ति ने की आत्महत्या

एनसीआर टुडे. स्योहारा । स्योहारा रेलवे क्रॉसिंग के पास जनतायक एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर 55 वर्षीय महेंद्र पुत्र मगु सिंह, निवासी रवाना शिकारपुर ने आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। रेलवे ट्रैक को क्लियर कर यातायात बहाल कर दिया गया है। मौके पर कई पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

आत्महत्या कर जीवन लीला समाप्त कर ली

एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ । 25 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक युवक देहरादून में रहकर ढाई वर्षों से मजदूरी का काम करता था। बुधवार की बीती रात देहरादून से अपने घर पहुंचे मृतक शौकीन अहमद ने घर में लगे छत का पंखा को उतारकर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी व थानाध्यक्ष सुमित राठी ने परिजनों से घटना की जानकारी ली। मृतक का नाम शौकीन माहीगीर उम्र 25 वर्षीय पुत्र मरहूम अब्दुल हमीद निवासी मौहल्ला चिरंजीलाल बताया जाता है। आत्म हत्या के पीछे के कारणों का अभी तक कोई सही पता नहीं चल पाया है। तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार भी गर्म बना हुआ है।

लाइनमैन को पिकअप ने मेरी साइड गंभीर रूप से घायल

एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ । राजकुमार पुत्र जागन सिंह निवासी आलमपुर गांवड़ी थाना अफजलगढ़ जो की एक विद्युत विभाग में लाइनमैन का कार्य करता है ।आज वह बिजली का तार सही करने के लिए गुरुद्वारा से आगे जा रहा था। अचानक सामने से पिकअप वाले ने साइड मार दी। जिससे राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया ।राह गिरों की मदद से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया ।जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुए है। डॉक्टर ने हायर सेंटर के लिए रैफर कर दिया।

इनर व्हील क्लब ने गौशाला में पशुओं के लिए दी धनराशि

एनसीआर टुडे. हल्दौर । सामाजिक संस्था इनरव्हील क्लब द्वारा नगर की गौशाला में पशुओं के चारे के लिए ग्यारह सौ रुपए की धनराशि दान स्वरूप प्रदान की गई। इस अवसर पर क्लब की सदस्यों द्वारा गौशाला संचालकों को गौसरंक्षण हेतु हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया गया। क्लब अध्यक्ष श्वेता शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने गायों को चारा खिलाया और गौ सेवा का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्लब सचिव निधि राजपूत, डा रितिका शर्मा, सुनयना वर्मा, आराध्या शर्मा आदि उपस्थित रही।

संगिदध युवक को पकड़ कर पुलिस को सोपा

एनसीआर टुडे. नहटौर । कमालपुर लिंक रोड पर राहगीरों को रात को गांव कमालपुर से पांच सौ मीटर की दूरी पर संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। राहगीरों ने मामले की जानकारी ग्रामीणों को दी। जिस पर ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर उसे पकड़ लिया तथा उसे ड्रोन उड़ाने वाला समझकर उससे पूछताछ की। लेकिन ग्रामीणों को उसकी भाषा समझ नहीं आई। इस दौरान कुछ लोगों ने उसकी वीडियो भी बनाएं। जिसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी तथा पकड़े गए युवक को पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि युवक देखने में नेपाली लग रहा था। वह मनोरोगी था।

फर्जी राजदूत के मॉरीशस समेत 4 देशों में 11 बैंक खाते मिले, अंतरराष्ट्रीय दलाल से भी जुड़े तार

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद के कविनगर में किराये की कोठी नंबर केबी-35 में अवैध रूप से दूतावास चलाने वाले फर्जी राजदूत हर्षवर्धन जैन के मॉरिशस समेत चार देशों में 11 बैंक खाते मिले हैं। उसके पास मिले दो पैन कार्ड के जरिये इन खातों की पहचान की गई। हर्षवर्धन जैन के दुबई में छह खाते, मॉरीशस में एक, यूके में तीन और भारत में एक बैंक खाता है। एसटीएफ के अधिकारियों का कहना है कि इन खातों में की गई लेन-देन की जांच की जा रही है।

एसटीएफ की नोएडा यूनिट के एएसपी राजकुमार मिश्र ने बताया कि अंतराष्ट्रीय दलाल एहसान अली सैयद के साथ हर्षवर्धन का संपर्क मिला है। बैंक खातों में हुए लेन-देन, एहसान से संलिप्तता और अन्य विस्तृत जानकारी के लिए हर्षवर्धन को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। रिमांड पर लेने के लिए कविनगर पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की जा रही है। जांच में यह भी पता चला है कि डिंपल जैन के खाते से ही कोठी का किराया आ रहा था।

एसटीएफ के अधिकारियों के मुताबिक, जांच में सामने आया है कि चंद्रास्वामी ने हर्षवर्धन की मुलाकात हथियारों के सौदागर सऊदी निवासी अदनान खगोशी और लंदन निवासी एहसान अली सैयद से कराई थी। इसके बाद हर्षवर्धन जैन ने एहसान अली के साथ मिलकर विदेशों में कई कंपनियां रजिस्टर्ड कराईं। इनमें यूके की स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, ईस्ट इंडिया कंपनी यूके लिमिटेड, यूएई की आइसलैंड जनरल ट्रेडिंग कंपनी एलएलसी, मॉरीशस की इंदिरा ओवरसीज लिमिटेड और अफ्रीका के कैमरून में कैमरून इस्पात सार्ल नाम की कंपनी चिन्हित हुई है।

हर्षवर्धन जिस कोठी में अवैध दूतावास चला रहा था, उसके मालिक समाजसेवी सुशील चौधरी हैं। उनका कहना है कि चार महीने पहले उन्होंने कोठी शहर के एक संभ्रांत व्यक्ति के कहने पर 80 हजार रुपये प्रतिमाह किराये पर दी थी। उनके साथ हर्षवर्धन जैन के साले सतीश भी आए थे। हर्षवर्धन जैन की पत्नी डिंपल जैन के नाम कोठी का बकायदा रजिस्टर्ड एग्रीमेंट किया गया। सुशील चौधरी ने बताया कि नोएडा एसटीएफ को उन्होंने सारी जानकारी दे दी है। एहसान अली मूलरूप से हैदराबाद का रहने वाला है, लेकिन उसने तुर्किये की नागरिकता ली हुई है। चंद्रास्वामी ने हर्षवर्धन जैन को इसी के पास लंदन भेजा था। हर्षवर्धन ने एहसान अली के साथ मिलकर लंदन में कई शैल कंपनियां बनाईं और उन्हीं के आधार पर बड़ी दलाली की। एहसान ने स्विस आधारित कंपनियों को वर्ष 2008 से 2011 के बीच लगभग 70 मिलियन पाउंड लोन दिलाने के नाम पर 25 मिलियन पाउंड (करीब तीन अरब रुपये) की दलाली ली और वहां से भाग गया। 22 नवंबर 2022 को स्विस सरकार के आग्रह पर लंदन पुलिस ने एहसान अली को गिरफ्तार किया।

गाजियाबाद में डिलीवरी बॉय बनकर आए लुटेरे, ज्वेलरी शोरूम से सोना-चांदी व कैश लूटा

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद के लिंक रोड थाना क्षेत्र में डिलीवरी बॉय वेश में आए हथियारबंद बदमाशों ने गुरुवार को दिनदहाड़े एक ज्वेलरी शोरूम में घुसकर गन पॉइंट पर लाखों के गहने और नगदी लूट ली। लूटपाट की यह घटना ज्वेलरी शोरूम के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की चार टीम लगाई गई हैं। बृज विहार में रहने वाले कृष्ण कुमार वर्मा का घर से कुछ दूरी पर ज्वेलरी शोरूम है। यह शोरूम उन्होंने करीब दो साल पहले खोला था और शुभम नाम का युवक यहां काम करता था। गुरुवार दोपहर 3 बजे के बाद कृष्ण कुमार ने शुभम से कहा कि वह टॉयलेट के लिए घर जा रहे हैं। जब तक न लौटें, शोरूम का दरवाजा नहीं खोलना। साढ़े 3 बजे के करीब बाइक पर दो बदमाश आए और शोरूम में घुसकर एक ने शुभम की कमर पर पिस्टल लगा दी। विरोध करने पर उससे मारपीट की गई।

ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो रूट को मंजूरी, कितने बनेंगे स्टेशन, कब तक होगा तैयार

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो के रूट को अपनी मंजूरी दे दी। यह मार्ग 2.6 किलोमीटर लंबा और एक्वा लाइन का एक्सटेंशन होगा। केंद्र सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने मेट्रो रूट की मंजूरी के संबंध में नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) को पत्र सौंप दिया है। एक्वा लाइन के अंतर्गत अभी नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा डिपो तक मेट्रो चल रही है। एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक महेंद्र प्रसाद ने बताया कि करीब दो महीने पहले 26 मई को केंद्र के समक्ष इस रूट की योजना पर प्रस्तुतिकरण भी दिया था।

नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) ने केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो चलाने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद यह रूट तीन वर्ष में बनकर तैयार हो जाएगा।

ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी तक दो नए मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके लिए 2.6 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड मेट्रो ट्रैक बिछाया जाएगा। इस प र करीब 416.34 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। निर्माण कार्य के लिए डिजाइन सलाहकार के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके बाद अगले पांच-छह महीने में टेंडर जारी होगा। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद यह तीन साल में बनकर तैयार हो जाएगा। ऐसे में उम्मीद है कि वर्ष 2028 के अंत तक इस रूट पर मेट्रो चलने लगेगी। एनएमआरसी के कार्यकारी निदेशक महेंद्र प्रसाद ने बताया कि अभी एक्वा लाइन पर नोएडा के सेक्टर-51 से ग्रेनो के डिपो मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो चल रही है। अब ग्रेनो डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो जाएगी। बोड़ाकी बड़ा मेट्रो स्टेशन होगा। यहां मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनना है।

जहां सोनम रघुवंशी ने ली थी राजा की जान, वहां भाई ने कराई पूजा-पाठ

शिलॉन्ग, एजेंसी। मेघालय में जिस स्थान पर दो महीने पहले इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की चीखें गूंजी थीं वहां गुरुवार को मंत्रोच्चार सुनाई दिए। पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके कथित प्रेमी राज के तीन दोस्तों के हाथों मारे गए राजा रघुवंशी की आत्मा की शांति के लिए भाई ने घटनास्थल पर पूजा-पाठ कराया है। राजा रघुवंशी की मेघालय में हनीमून के दौरान 23 मई को हत्या कर दी गई थी।

ईस्ट खासी हिल्स जिले के सोहरा में वेइसाडोंग फॉल्स के निकट सुनसान पार्किंग स्थल पर राजा की हत्या धारदार हथियार से कर दी गई थी और लाश खाई में फेंक दी गई थी। राजा के भाई विपिन ने घटनास्थल पर पहुंचकर विधि-विधान से अनुष्ठान कराया। मंत्रोच्चार के बीच राजा की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

अनुष्ठान के बाद भावुक हुए विपिन ने कहा,हम उस स्थान पर आना चाहते थे जहां हमारे राजा ने अंतिम सांस ली थी। किसी भी परिवार को ऐसा नहीं करना पड़े, लेकिन यह हमारे लिए महत्वपूर्ण था। विपिन ने कहा कि उन्हें लगता है कि राजा की आत्मा अब भी भटक रही है और उसे मोक्ष दिलाने के लिए

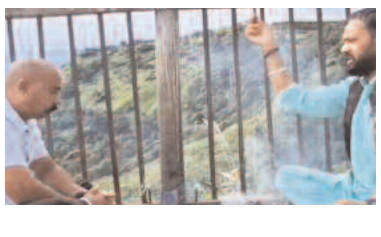

यह पूजा-पाठ की गई है। 11 मई को सोनम के साथ शादी के बाद 20 मई को राजा हनीमून मनाने निकले थे। 23 मई को दोनों अचानक लापता हो गए। दस दिन बाद पुलिस ने 30 फुट गहरी खाई से राजा का शव क्षत-विक्षत हालत में बरामद किया। शरीर पर चाकुओं वार के कई घाव थे। पुलिस के मुताबिक, राजा की हत्या सोनम ने अपने कथित प्रेमी के दोस्तों के साथ मिलकर की। सोनम अपने पति राजा को ट्रैकिंग और फोटो खिंचवाने के बहाने ऊंची पहाड़ी पर ले गई। बादलों के बेहद करीब जंगलों से घिरे पहाड़ी पर सुनसान इलाका है।

छत्तीसगढ़ में 66 नक्सलियों ने सरेंडर किया, 27 महिलाएं भी शामिल

बस्तर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में गुरुवार को 66 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने सरेंडर कर दिया। इनमें 27 महिला नक्सली भी शामिल हैं। सरेंडर करने वाले 49 नक्सलियों पर कुल 2.27 करोड़ रुपए का इनाम था। नक्सलियों ने बताया कि वे निर्दोष आदिवासियों पर किए जा रहे अत्याचारों और संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेदों से निराश थे।

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के 5 जिलों में गुरुवार को कुल 66 नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीजापुर में 25, दंतेवाड़ा में 15, कांकेर में 13, नारायणपुर में 8 और सुकमा में 5 नक्सलियों ने सरेंडर किया। एक अधिकारी ने बताया कि नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के अधिकारियों के सामने सरेंडर किया। नक्सली खोखली माओवादी विचारधारा, निर्दोष आदिवासियों पर नक्सलियों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और प्रतिबंधित संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेदों से निराश थे। अधिकारी ने बताया कि नक्सली राज्य सरकार की नियद नेल्लनार (आपका अच्छा गांव) योजना, नई सरेंडर और पुनर्वास

नीति और बस्तर रेंज पुलिस द्वारा शुरू की गई पुनर्वास पहल से प्रभावित थे। बीजापुर के एसपी जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि बीजापुर में सरेंडर करने वाले 25 नक्सलियों में से 23 पर कुल 1.15 करोड़ रुपए का इनाम था। इनमें ओडिशा राज्य समिति सदस्य और माओवादियों की विशेष क्षेत्रीय समिति के सदस्य रमन्ना इरपा पर 25 लाख रुपए का इनाम था। उनकी पत्नी और प्लाटून पार्टी समिति की सदस्य रमे कलमू पर 8 लाख रुपए का इनाम था। यादव ने बताया कि माओवादियों के विभिन्न समूहों में महत्वपूर्ण पदों पर सक्रिय सुक्कू कलमू, बबलू माड़वी, कोसी मड़कम और रीना वंजाम पर 8-8 लाख रुपए का इनाम था। दंतेवाड़ा के एसपी उदित पुष्कर ने बताया कि दंतेवाड़ा में सरेंडर करने वाले 15 नक्सलियों में से 5 पर कुल 17 लाख रुपए का इनाम था। सरेंडर करने वाले 15 नक्सलियों में संभागीय समिति सदस्य बुधराम उर्फ लालू कुहरामी और उसकी पत्नी कमली उर्फ मोती पोताली शामिल हैं। दोनों पर क्रमशः 8 लाख और 5 लाख रुपए का इनाम था। जिले में 254 इनामी नक्सलियों सहित 1020 नक्सली हिंसा छोड़ चुके हैं।

चुनाव से पहले भाषा युद्ध की बात कर माहौल बनाने लगीं ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में अब करीब 10 महीने का ही समय बचा है। अगले साल अप्रैल-मई में राज्य में इलेक्शन होने वाले हैं। इससे ठीक पहले उन्होंने बांग्ला भाषा का मसला उठाना तेज कर दिया है। देश के कई हिस्सों में अवैध बांग्लादेशियों का मुद्दा उठाए जाने को उन्होंने बंगालियों के उत्पीड़न से जोड़ दिया है। गुरुवार को कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि अब हमें फिर से एक भाषा आंदोलन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को बांग्लादेशी कहकर हिरासत में लिया जा रहा है। उन्हें काम करने से रोका जा रहा है। ममता बनर्जी ने कहा कि यह स्थिति तो भाषाई आतंकवाद जैसी है।

इस तरह भाषा को मुद्दा बनाना और एक नए आंदोलन की बात से ममता बनर्जी ने संदेश दे दिया है कि वह चुनाव तक इस मसले को खींचने की तैयारी में हैं। पहले भी ममता बनर्जी चुनावों में बांग्ला कार्ड चलती रही हैं। ऐसे में ममता बनर्जी का रुख एक बार फिर से उसी तरफ बढ़ता दिख रहा है। ममता दीदी ने कहा, बंगाली भाषा के खिलाफ जिस तरह का भाषायी आतंकवाद शुरू किया है, वह खतरनाक है। बंगाली भाषा दुनिया में 5वीं सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। देश में 30 करोड़ लोग बांग्लाभाषी हैं। फिर भी इन लोगों को जेल में डाला जा रहा है। हमें इसे स्वीकार नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ मेरी ही बात नहीं है बल्कि तमाम बांग्ला भाषी लोगों की है। ऐसा नहीं हो सकता कि बांग्ला भाषा पर हमला नहीं हो सकता। बंगाल हम लोगों के लिए सब कुछ है और हम अपनी जमीन बचाने के लिए कुछ भी करेंगे। उन्होंने कहा कि बांग्ला भाषा के नाम पर किसी को हिरासत में रखे जाने को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। दरअसल हाल ही में एनसीआर के गुरुग्राम में बांग्ला भाषी कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया था। बता दें कि बांग्ला भाषी लोगों की आबादी बंगाल के अलावा बड़ी संख्या में असम, त्रिपुरा जैसे राज्यों में भी है।

ओवरएज वाहनों पर नियम का करें अध्ययन; दिल्ली सरकार ने विभागों को दिया आदेश?

नईदिल्ली , एजेंसी। दिल्ली सरकार ने अपने परिवहन और पर्यावरण विभागों को पुराने वाहनों से संबंधित दिशानिर्देशों और नियमों का गहन अध्ययन करने और इन पर आम लोगों की प्रतिक्रिया का अध्ययन करने का निर्देश दिया है। एक अधिकारी ने बताया कि विधि, परिवहन और पर्यावरण विभाग पुराने वाहनों से संबंधित नीतियों और कानूनी प्रावधानों का अध्ययन कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि इसका एक खास मकसद है। करने का आग्रह किया जाएगा। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिल्ली सरकार का पर्यावरण और परिवहन विभाग दिशानिर्देशों नियम कानूनों और जनता पर उनके प्रभाव के साथ ही पाबंदियों का पलूशन के स्तर पर होने वाले असर का अध्ययन कर रहे हैं।

बलात्कार और हत्या का दोषी जेल से फरार, सौम्या मामले में कन्नूर कारागार में काट रहा था उम्रकैद

कन्नूर, एजेंसी। केरल के कन्नूर में बलात्कार और हत्या मामले का दोषी जेल से फरार हो गया है। सौम्या नाम की महिला के रेप एंड मर्डर केस में गोविंदाचामी को दोषी पाया गया। उसे उम्रकैद की सजा हुई, जो कन्नूर सेंट्रल जेल में बंद था। 1 फरवरी, 2011 को 23 वर्षीय सौम्या एर्नाकुलम से शोरानूर के लिए पैसेंजर ट्रेन से जा रही थी। गोविंदाचामी ने उसके साथ बलात्कार किया और फिर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि जेल तोड़कर दोषी वहां से फरार हुआ। पुलिस ने गोविंदाचामी की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। कन्नूर टाउन पुलिस के अनुसार, इस मामले में अधिक जानकारी का इंतजार है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के गोविंदाचामी की कोठरी की जांच के दौरान उसके लापता होने का पता चला। जेल अधिकारियों ने जेल परिसर और उसके आसपास तत्काल तलाश अभियान चलाया, लेकिन कैदी कहीं नहीं मिला। पुलिस को सतर्क कर दिया गया है और तलाश अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि, अब तक उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। कन्नूर टाउन पुलिस ने बताया कि कैदी के जेल से भागने की सूचना उसे सुबह 7 बजे मिली। 1 फरवरी 2011 को केरल के शोरनूर के पास मंजक्काड़ की 23 वर्षीय सौम्या के साथ एर्नाकुलम-शोरनूर यात्री ट्रेन (नंबर 56608) में भयावह घटना घटी। सौम्या एर्नाकुलम में नौकरी करती थी और छुट्टियों में अपने घर शोरनूर जा रही थी। वह अकेली थी। इस दौरान गोविंदाचामी नाम के अपराधी ने सौम्या को वल्लथोल नगर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन से धक्का दे दिया, जिससे वह घायल हो गई। इसके बाद, उसने बलात्कार किया और हत्या कर दी।

गुरुग्राम में रहने का असली मजा.. पूर्व सेना अफसर ने कचरे के ढेर के लिए कसा तंज

गुरुग्राम , एजेंसी। हरियाणा का गुरुग्राम शहर अपनी बड़ी-बड़ी बिल्डिंग के लिए जाना जाता है, लेकिन मिलेनियम सिटी इन दिनों अपने कचरे के ढेरों की वजह से सुर्खियों में है। एक सेना के पूर्व सैनिक यशपाल सिंह मोर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें शहर की ऊंची-ऊंची इमारतों के ठीक बगल में कचरे का ढेर और उसमें घूमते गाय-कुत्तों का मंजर दिखा। यह वीडियो देखकर नेटिजन्स का गुस्सा फूट पड़ा।

यशपाल ने तंज कसते हुए लिखा, गुरुग्राम में रहने का असली मजा। भारत का सबसे पशु और कचरा-प्रिय शहर। शहर के किसी भी कोने में ऐसी शानदार नजारा देखने को मिल जाएगा। हमारी नगरपालिका ने कमाल कर दिया, कोई और शहर ऐसा नहीं कर सकता। वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर तंज और गुस्से की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने व्यंग्य करते हुए लिखा, ये है हमारा मॉडल। हमारे शहर पशुओं के लिए इतना चारा देते हैं कि वो कभी भूखे नहीं रहते। कितना मानवीय और दयालु है ना। एक अन्य ने चुटकी ली, गुरुग्राम तो खुले इकोसिस्टम की नई मिसाल कायम कर रहा है। वहीं, कुछ यूजर्स ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, शहर का हर कोना ऐसा ही है। कचरा प्रबंधन की हालत इतनी खराब है कि शब्द भी कम पड़ जाएं।

गुरुग्राम में कचरे की समस्या को लेकर लंबे समय से हाहाकार मचा हुआ है। महीनों के विरोध और शिकायतों के बाद, अब नगर निगम ने कमर कस ली है। एमसीजी आयुक्त प्रदीप दहिया ने बताया, शहर ने काफी इंतजार किया, अब हम पूरी ताकत से काम शुरू कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 402 करोड़ रुपये का डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण टेंडर जारी किया जा रहा है।

लव बर्ड्स से प्रेमी जोड़ों का भाग्य जगा रहे थे, अपने भविष्य का नहीं लगा सके अंदाजा

कानपुर, एजेंसी। यूपी के कानपुर में पक्षियों को तस्करी करके लाया और बेचा जा रहा है। कानपुर में चिड़ीमार लव बर्ड्स बेचकर प्रेमी जोड़ों का भाग्य जगा रहे थे, लेकिन अपने ही भविष्य का अंदाजा नहीं लगा सके। इसकी जानकारी किसी ने वन विभाग को दे दी। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने चिड़ीमारों के दर पर छापेमारी कर दी। इस दौरान सात जोड़े लव बर्ड्स के अलावा बड़ी संख्या में पक्षी बरामद हुए। प्रथमदृष्ट्या सभी पक्षी प्रतिबंधित बताए जा रहे हैं।

लव बर्ड्स पक्षियों की तस्करी भाग्य जगाने के लिए पैमाने पर की जाती है। एक जोड़ा लव बर्ड्स की कीमत 5 से 10000 रुपये ग्राहक देखकर लगाई जाती है। किवदंतियां हैं कि लव बर्ड्स पालने से घर में खुशहाली आती है। जिनकी शादी में

देरी होती है, उनके लिए भी लव बर्ड्स को फलदायक माना जाता है। यही वजह है कि चिड़ीमार लव बर्ड्स का बड़ा गोरखधंधा फैलाए हुए हैं।

बुधवार रात बिधनू रेंजर के नेतृत्व में टीम ने बाबूपुरवा स्थित सलीम के घर छापा मारा। घर से वन विभाग की टीम को 7 लव बर्ड्स के अलावा 7 सनक्योनूर और 9 कॉकटेल पक्षी मिले। मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने पक्षियों को कब्जे में लेकर मामले में जांच शुरू कर दी है।

बिधनू रेंजर की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी सलीम के खिलाफ वन जीव अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज किया। 3 साल तक कैद का प्रावधान है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सामाजिक वानिकी की प्रभागीय निदेशक, दिव्या ने इस मामले के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि चिड़ीमार के पास से 23 पक्षी बरामद किए गए हैं। एफआईआर दर्ज करा दी गई है।

बदमाशों ने बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी समेत लाखों के गहने चुराए

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर स्थित लक्ष्मी एन्कलेव कॉलोनी में बदमाशों ने बंद एक मकान का ताला तोड़कर दो लाख रुपये नगद और सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। घटना के दौरान पूरा परिवार अपने पैतृक गांव गया हुआ था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। लक्ष्मी एन्कलेव कॉलोनी में नरेशपाल सिंह अपने परिवार के साथ रहते हैं। नरेश पाल ने बताया कि वे 17 जुलाई को अपने पूरे परिवार के साथ अपने पैतृक गांव गए थे। वे जब 20 जुलाई को घर वापस आए तो घर के मैन गेट का ताला टूटा हुआ था। भीतर कमरे में जाकर देखने पर कमरे में रखी अलमारी का भी ताला टूटा हुआ था। नरेशपाल ने बताया कि बदमाशों ने मकान व कमरों का ताला तोड़कर अलमारी में रखे दो लाख रूपये नगद व लाखों के सोने व चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। इसके बाद पीड़ित ने मुरादनगर थाने में तहरीर दी।

डंपर की टक्कर से बाइक चालक घायल

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। निडौरी गांव में रहने वाले जाबिर ने बताया कि 23 जुलाई उनका भाई सुहेल, मुर्शफ और महताब निवासी गांव निडौरी मोटरसाइकिल से गांव नाहल जा रहे थे। गांव समयपुर मोड़ के पास नाहल की ओर से तेज गति से आ रहे डंपर ने बाइक में टक्कर मार दी, जिससे उनके भाई सुहेल का पैर टूट गया है। वहीं, मुर्शफ और महताब भी घायल हो गए। पीड़ित के भाई ने मामले में तहरीर दी है।

गली में खड़ी बाइक गिराई, विरोध करने पर मारपीट

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी थाना क्षेत्र की राम विहार कालोनी में मंगलवार दोपहर मकान का निर्माण कार्य करा रहे व्यक्ति के साथ चार लोगों ने मारपीट की। व्यक्ति ने आरोपियों से गली में खड़ी बाइक को गिराने पर विरोध प्रकट किया था। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। जावली गांव निवासी प्रदीप लोनी थाना क्षेत्र की राम विहार कालोनी में मकान का निर्माण कार्य करा रहे थे। गली में उनकी बाइक खड़ी थी। आरोप है कि किसी व्यक्ति ने उनकी बाइक गिरा दी। उन्होंने गली में मौजूद लोगो से बाइक के गिरने का कारण पूछा। गली में मौजूद सौरभ, गौरव, कर्मवीर और कृष्णपाल ने गाली गलौज कर उनके साथ मारपीट की। जिससे उनके पैर में काफी चोट आई हैं। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से किये जाने की बात कहीं तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ति ने मामले की शिकायत पुलिस से की।

बदमाश महिला को झांसे में लेकर जेवर और मोबाइल लेकर भागे

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर राजचौपला के पास बदमाश ने महिला को झांसे में लेकर जेवर और मोबाइल पार कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। निवाड़ी निवासी अनीता की कई दिन से तबीयत खराब चल रही थी। महिला का मोदीनगर के ही एक अस्पताल से इलाज चल रहा है। महिला गुरुवार को अस्पताल दवा लेने आई थी। इस दौरान राश्ते में ही दो लोग मिले और उससे राश्ता पूछने के बहाने अपनी बातों में फंसाने लगे। आरोप है कि उन्होंने महिला से उसकी तबीयत के बारे में पूछा। इसपर महिला ने बताया कि उन्हें पैरों में दर्द रहता है। इसपर आरोपियों ने कहा कि वे उनका उपचार करा देंगे। इसके बाद आरोपियों ने महिला से जेवर उतरवा लिया और कहा कि जेवर और मोबाइल को पर्स में रख लिजिए। इसके बाद महिला से दो कदम आगे व पीछे चलने के लिए कहा। इसके बाद बातों ही बातों में आरोपियों ने महिला से पर्स ले लिया और फरार हो गए। महिला ने शोर मचाया लेकिन तब तक वे भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की, जिसमें सीसीटीवी फुटेज में बदमाश नजर आ रहे हैं।

एमएमजी अस्पताल के सामने से बल्लियां हटने से राहत

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। एमएमजी अस्पताल के सामने लगी बल्लियों को शुक्रवार को हटा लिया गया। इससे अस्पताल आने वाले मरीजों को राहत मिली। साथ ही अस्पताल के सामने लगने वाले जाम से भी शुक्रवार को राहत मिल गई। शिवरात्रि को लेकर पुलिस प्रशासन ने मंदिर से लेकर अस्पताल के आगे तक बेरिकेड कर दी थी। इससे वाहनों के आवागमन के साथ मरीजों के अस्पताल आने में भी दिक्कत हो रही थी। बल्लियों की बेरिकेड को अस्पताल से मंदिर के पास तक हटा लिया गया है। सीएमएस डा. राकेश कुमार का कहना है कि बल्लियां हटने से अस्पताल आने वाले मरीजों को राहत मिलेगी।

ऑटो में सवार छात्रा से बाइक सवार ने मोबाइल छीना

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। टीला मोड़ थाना क्षेत्र में कोयल एंक्लेव के पास ऑटो में सवार एक छात्रा से बाइक सवार युवक ने गुरुवार शाम को मोबाइल फोन छीन लिया। शोर मचाने पर आरोपी फरार हो गया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लोनी के बलराम नगर निवासी मोहिनी वर्मा दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी की छात्रा हैं। उन्होंने बताया कि बीती गुरुवार शाम वह कॉलेज से ऑटो में सवार होकर अपने घर लौट रही थीं। कोयल एंक्लेव के पास पीछे से आए बाइक सवार ने झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन लिया और फरार हो गया। मोबाइल के कवर में कॉलेज का आईडी कार्ड और अन्य जरूरी दशतावेज भी रखे थे। घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है।

मारपीट का विरोध किया तो व्यक्ति पर जानेलवा हमला

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर के डिडौली गांव में रहने वाले एक व्यक्ति ने बेटे और भतीजे के साथ मारपीट का विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ति की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गांव डिडौली निवासी सुधीर त्यागी ने बताया कि 20

आढ़ती ने खुद को गोली मारकर कर आत्महत्या

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

दिल्ली सीमा से करीब 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित साहिबाबाद मंडी में 62 वर्षीय आढ़ती पप्पू राघव ने आज अपने घर में खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली।

परिवार का आरोप है कि मंडी में उसके साथी उसे लगातार धमकी दे रहे थे, जिसकी शिकायत थाना लिंक रोड पुलिस से कई लेकिन पुलिस ने प्रकरण को गंभीरता नहीं लिया। पुलिस ने घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसमें मृतक ने उसमे अपने कुछ साथियों पर मानसिक और आर्थिक दबाव डालने का आरोप लगाया है।

पुलिस के अनुसार पप्पू राघव का कुछ लोगों के साथ रुपये के लेनदेन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इस विवाद के कारण वे गहरे मानसिक तनाव में थे। सुसाइड नोट में उन्होंने अपने साथियों पर गंभीर आरोप लगाए, जिसमें आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न की बात शामिल है।

घटना की सूचना मिलते ही मसूरी थाना पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मसूरी थाना प्रभारी ने बताया कि सुसाइड नोट में उल्लिखित व्यक्तियों से पूछताछ शुरू कर दी गई है। साथ ही, लेनदेन के विवाद और लाइसेंसी रिवॉल्वर की वैधता की भी गहन जांच की जा रही है। पुलिस ने मामले की तह तक जाने के लिए सभी पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है।

मृतक के परिजनों ने बताया कि पप्पू राघव ने दो महीने पहले लिंक रोड पुलिस थाने में अपने साथियों द्वारा धमकियों और विवाद की शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और कोई कार्रवाई नहीं की।

परिजनों का दावा है कि पुलिस की इस लापरवाही के कारण पप्पू मानसिक तनाव में चले गए, जिसके परिणामस्वरूप उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया।

लापता युवक का शव रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में मिला, पुलिस जांच में जुटी

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मसूरी थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना ने हड़कंप मचा दिया है। मसूरी रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में एक लापता युवक का शव मिलने से इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर एकत्रित हो गए, और पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मसूरी रेलवे स्टेशन के समीप झाड़ियों में एक युवक का शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने शव देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक युवक कुछ समय से लापता था। मृतक की उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच बताई जा रही है। शव की हालत को देखते हुए पुलिस हत्या की संभावना को भी नजरअंदाज नहीं कर रही है। मौत के सटीक कारण का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए, जिससे क्षेत्र में चिंता और तनाव व्याप्त हो गया। मसूरी थाना पुलिस और रेलवे पुलिस (जीआरपी) की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके साथ ही, इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि युवक की पहचान और घटना के पीछे की सच्चाई का पता लगाया जा सके। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और शीघ्र ही घटना के रहस्यों को उजागर करने का प्रयास कर रही है।

सर्राफा से 20 लाख के जेवरों की लूट

ऑनलाइन डिलिवरी एजेंट के भेष में घुसे थे दो बदमाश

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

दिल्ली सीमा से करीब 1.5 किलोमीटर दूरी पर स्थित बृज विहार इलाके में दिनदहाड़े आभूषणों की एक दुकान में खुद को ऑनलाइन डिलिवरी एजेंट बताकर घुसे दो सशस्त्र व्यक्तियों ने 20 किलोग्राम चांदी और 125 ग्राम सोने के आभूषण लूट लिए जिनकी कीमत 20 लाख रुपये से अधिक है।

पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना बृहस्पतिवार को लिंक रोड पुलिस थाना अंतर्गत 'मानसी ज्वैलर्स' में घटी। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से संदिग्धों की पहचान करने के लिए कई टीमें गठित की हैं।

पुलिस उपायुक्त (ट्रांस हिंडन) निमिश पाटिल ने कहा, "दो अज्ञात बदमाशों ने मानसी ज्वैलर्स के स्टोर से 30 लाख रुपये से अधिक मूल्य के आभूषण लूटे हैं।

उन्होंने ब्लिंकइट और स्विगी कंपनी की वर्दी पहनी रखी थी जिससे कोई उन पर शक ना करे। हमने इस मामले की जांच के लिए छह टीमें गठित की हैं और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।"

सोशल मीडिया पर आए सीसीटीवी फुटेज में हथियारबंद दो व्यक्ति स्टोर में प्रवेश करने के लिए एक व्यक्ति को धक्का देते दिखाई दे रहे हैं। इनमें से एक व्यक्ति ने पीले रंग की ब्लिंकइट की टी-शर्ट पहन, एक हेलमेट और नकाब पहन रखी है, जबकि उसका साथी नारंगी रंग के स्विगी के यूनिफॉर्म में हेलमेट के साथ दिखाई दे रहा है।

स्टोर में घुसने पर उनका सामना स्टोर के कर्मचारी से होता है जिसे वे मारते पीटते हैं और बंदूक दिखा कर लूट में उसे सहयोग करने के लिए मजबूर करते हैं। इस तरह से उन्होंने लूट को अंजाम दिया।

पीड़िता की पावती रसीद देखकर पुलिस ने अपने कर्तव्य की इतिश्री

✷ **एनसीआर टुडे. चांदपुर** ✷

दर्जनों महिला पुरुषों द्वारा घर में घुसकर दंपत्ति के साथ मारपीट करने,घर में रखा सामान तोड़ने, एवं मोबाइल छीन कर ले जाने वाले मामलें में स्थानीय पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर पावती रसीद काटकर अपने कर्त्तव्य की इतिश्री करदी है।

पुलिस की इस कार्य शैली से जहां एक ओर आरोपियों के हौंसले बुलंद है। वहीँ दूसरी ओर पीड़ित भी स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उक्त मामला सम्पत्ति को लेकर विवाद बताया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के मोहल्ला मुफ्ती सराय निवासी शादमानी पत्नी अनीस अहमद का कहना है कि 23 जुलाई को मोहल्ले के ही अमीर पुत्र अयूब, उसकी पत्नी बेटी तथा अंजुम पत्नी चाँद, अजहर ,शहजाद, मजहर, आदिल आदि दर्जनों महिला पुरुष दिन के लगभग 11 बजे हमारे घर में घुस आये। मेरे तथा मेरे पति के साथ गाली गलोंच और मारपीट करने लगे।

इतना ही नहीं इन सभी ने मिलकर हमें हमारे घर से भी निकाल बाहर करने की कोशिश की। परंतु हमारे द्वारा शोर मचाने और हंगामा होता देख आसपास के लोग आ गए। जिन्हें देख कर यह सभी मुझे और मेरे पति को जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। पीडिता का यह भी कहना है कि आरोपी जाते हुए उसका मोबाइल फोन भी ले गए हैं।

पीड़िता का आरोप है कि उस की तहरीर पर थाना कोतवाली महिला पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच न कर के पीड़ित महिला को शिकायत पावती रसीद बनाकर दे दी है। अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर ली है पुलिस की इस कार्य प्रणाली जहां एक ओर आरोपियों के हौंसले बुलंद है। वहीँ दूसरी ओर पीड़ित खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि उपरोक्त दोनों पक्षों के बीच मकान एवं जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। जो न्यायालय में विचाराधीन है विवादित आराजी पर एक पक्ष काबिज है। दूसरा पक्ष उक्त आराजी पर काबिज होने की कोशिश कर रहा है। जबकि स्थानीय पुलिस का कहना है कि महिला की शिकायत सुन ली गई है। पीड़ित को पावती काटकर भी दे दी गई है। उसपर अग्रिम कार्यवाही प्रचलित है जिसका निश्तारण पांच दिन के भीतर करदिया जाएगा।

स्कूल बस की कैनटर से टकराई दो छात्र घायल

✷ **एनसीआर टुडे. रेहड़** ✷

डीसीएम कैंटर हिमाचल प्रदेश से स्पेयर पार्ट्स लेकर रुद्रपुर जा रही थी। डीसीएम के चालक मुकेश कुमार पुत्र भूरे सिंह निवासी गांव उदयपुर कला जनपद इटावा को नींद की झपकी आ गई। जिसके चलते डीसीएम की भिड़ंत आगे चल रही मारिया स्कूल जसपुर की बस से हो गई।

इस दुर्घटना में बस में सवार दो बच्चे अभिजोत 7 वर्ष पुत्र गज्जन निवासी बादीगढ़ चौराहा एवं अश्मित 6 वर्ष पुत्र गुरमीत सिंह निवासी नबाबाद जंगल घायल हो गए। दुर्घटना में बस का पिछला हिस्सा डीसीएम एवं केंटर क्षतिग्रश्त हो गई। पूरा मामला बादीगढ़ के समीप का है,डीसीएम कैंटर हिमाचल प्रदेश से स्पेयर पार्ट्स लेकर रुद्रपुर जा रही थी।

डीसीएम के चालक मुकेश कुमार पुत्र भूरे सिंह निवासी गांव उदयपुर कला जनपद इटावा को नींद की झपकी आ गई ।जिसके चलते डीसीएम की भिड़ंत आगे चल रही मारिया स्कूल जसपुर की बस से हो गई।

इस दुर्घटना में बस में सवार दो बच्चे अभिजोत 7 वर्ष पुत्र गज्जन निवासी बादीगढ़ चौराहा एवं अश्मित 6 वर्ष पुत्र गुरमीत सिंह निवासी नबाबाद जंगल घायल हो गए। दुर्घटना में बस का पिछला हिस्सा डीसीएम एवं केंटर क्षतिग्रश्त हो गई, पूरा मामला बादीगढ़ के समीप का है।

निजी अस्पताल में नवविवाहिता की गलत इंजेक्शन लगाने से महिला की मौत मौत

अस्पताल के चिकित्सक ने जानकारी देने से किया इनकार

✷ **एनसीआर टुडे. धामपुर** ✷

नगीना मार्ग स्थित एक निजी अस्पताल में एक गर्भवती महिला की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। मृतका तीन माह की गर्भवती बताई जा रही है।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। परिजनों का आरोप है कि चिकित्सक ने महिला को एक इंजेक्शन लगाया, जिससे उसकी मौत हो गई।

अफजलगढ़ के मोहल्ला जैनुला अबदीन निवासी नसीम अहमद ने अपनी बेटी गुलशन जहां 28 वर्ष की लगभग आठ महीने पहले शेरकोट के मोहल्ला कायस्थान की निवासी फरमान पुत्र एहसान खां के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार शादी

की थी। गुलशन जहां तीन माह की गर्भवती बताई गई है। मृतका के पति फरमान ने बताया कि आज सुबह उसकी पत्नी गुलशन दवाई लेने अपनी जैठानी रुखसाना के साथ दवाई लेने धामपुर अस्पताल में गई थी।

दोपहर को लगभग एक बजे उसकी भाभी का फोन आया। उसने बताया कि उसकी पत्नी गुलशन की तबीयत ज्यादा खराब है। इतना सुनकर मैं काम छोड़कर सीधा अस्पताल पहुंचा, जहां पता लगा कि उसकी पत्नी की मौत हो गई है। उसका का कहना है जब उसने अपनी भाभी से पूछा तो पता लग डाक्टर ने उसकी पत्नी को इंजेक्शन लगाया। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगते ही महिला जोर-जोर से चिल्लाने लगी और चंद मिनटों में ही उसने दम तोड़ दिया।

महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने चिकित्सक पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। सूचना पर पहुंची

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। उधर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राजेश चौहान ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

खैर से भरी पिकप चालक तमंचा सहित जिंदा कारतूस के साथ चालक को भेजा जेल

✷ **एनसीआर टुडे. बढ़ापुर** ✷

साहूवाला रेंज में 5 दिन पूर्व वन माफियाओं द्वारा वन कर्मियों पर फायरिंग और मारपीट करके खैर की लकड़ियों से भरी जिस पिकअप को छीन लिया गया था। बढ़ापुर पुलिस ने लकड़ियों से भरी उस पिकअप वाहन को बरामद करते हुए ड्राइवर को गिरफ्तार कर चालान कर दिया है।

वन विभाग की ओर से 10 नामजद और 50 से 60 अज्ञात लोगों के विरुद्ध दर्ज कराए गए मुकदमे में अब तक पुलिस तीन लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। बताया जाता है कि बीते रविवार की रात्रि जब साहूवाला रेंज के वनकर्मी गश्त पर थे तब मधपुरी क्षेत्र में उन्हें खैर की लड़कियों से भरी एक महिंद्रा पिकअप आई हुई दिखाई दी।

वन कर्मियों द्वारा जब पिकअप को रोकने का प्रयास किया गया था तब वन माफियाओं द्वारा वन कर्मियों पर फायर झोंक दिए गए थे। इसके बाद वन कर्मियों ने अपनी जान पर खेल कर पिकअप को अपने कब्जे में ले लिया था। पिकअप पकड़े जाने से क्षुब्द होकर वन माफियाओं ने सैकड़ो की संख्या में महिलाओं और ग्रामीणों को मौके पर बुला लिया था। सैकड़ो की संख्या में जुटी भीड़ वन कर्मियों के साथ मारपीट कर जबरन पिकअप वाहन को छीन कर ले गए थे।

वनकर्मियों के साथ मारपीट कर लकड़ियों से भरी पिकअप को छीन कर ले जाने के आरोप में साहूवाला रेंज के वनरक्षक विकास कुमार ने थाने में तहरीर देकर 10 नामजद और 50 से 60 अज्ञात लोगों के विरुद्ध संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था।

शुक्रवार को बढ़ापुर पुलिस ने वन तस्करी में प्रयुक्त पिकअप संख्या UP 23 AT 7327 जिस घटना वाले दिन सैकड़ो की भीड़ वन कर्मचारी पर फायरिंग की घटना को अंजाम देते हुए मारपीट कर छीन ले गए थे।

पुलिस ने पिकअप को उस समय बरामद करते हुए चालक इकरार उर्फ भूरा पुत्र फुरकान अहमद निवासी मोहल्ला हलवाईयान थाना को गिरफ्तार करने का दवा क्या है जब वह जंगल से पिकअप मे भरी खैर की लड़कियों को बेचने जा रहा।

पिकअप मे खैर के के 13 गट्टे तथा चालक के पास से एक तमंचा 315 बोर व एक जिंदा कारतूस भी बरामद किया है। एक दिन पूर्व ही पुलिस अभियुक्त कृपाल सिंह पुत्र सुरजन सिंह तथा महिला अभियुक्त रानों कौर उर्फ भजनों कौर पत्नी डंपी उर्फ अमरजीत सिंह निवासी गांव मधपुरी थाना बढ़ापुर को गिरफ्तार कर दोनों का चालान कर चुकी है।

आदमखोर गुलदार ने 11 साल की मासूम को बनाया निवाला

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

क्षेत्र के गांव मंडोरी में बीती रात आदमखोर गुलदार ने 11 वर्षीय मासूम बच्ची को उठा लिया और मौत के घाट उत्तार दिया। बुधवार शाम 7 बजे के आसपास बच्ची घर के पास शौच के लिए गई थी।

लेकिन देर रात तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। पास के खेतों में खून के धब्बे और गुलदार के पंजों के निशान मिलने से अनहोनी की आशंका गहराने लगी।शव गन्ने के खेत में मिला, गर्दन और हाथ गायब थे। गुरुवार सुबह गांव के ही गन्ने के खेत में बच्ची का क्षत-विक्षत शव मिला। शरीर की हालत इतनी भयावह थी कि जिसने भी देखा, उसको रूह कांप उठी। गुलदार ने बच्ची की गर्दन और एक हाथ खा डाला था। ये दोनों अंग शव से करीब 10 मीटर दूर पड़े

मिले। ग्रामीणों का कहना है कि गुलदार ने बेहद क्रूरता से मासूम को नीच-नोचकर मार डाला। पूरी रात जंगल में की गई तलाश बच्ची की पहचान कनिका (11), पुत्री रवि कुमार के रूप में हुई है। वह बुधवार शाम करीब 7 बजे घर के पास शौच के लिए गई थी। उसी समय घात लगाए गुलदार ने उसे अपना शिकार बना लिया। बच्ची के न लौटने पर परिवार और ग्रामीणों ने लाठी-डंडे लेकर जंगल और खेतों में उसकी पूरी रात तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। गुलदार की तलाश में जुटा बन विभाग, उड़ाया ड्रोन सुबह जब शव मिला, तो गांव में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। यहीं, वन विभाग की टीम ने गुलदार को पकड़ने के लिए गन्ने के खेतों और जंगल क्षेत्र में ग्रीन कैमरे से निगरानी शुरू कर दी है। ग्रामीणों की मानें तो

यह गुलदार अब तक 30 से अधिक लोगों को शिकार बना चुका है।घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है। बच्चों को घर से बाहर निकलने से मना कर दिया गया है। स्कूलों में उपस्थिति बेहद कम देखी गई। ग्रामीणों ने प्रशासन से आदमखोर गुलदार को तुरंत पकड़ने की मांग की है ताकि भविष्य में किसी और मासूम की जान न जाए।

वरिष्ठ अधिवक्ता कांग्रेस विधि विभाग संयोजक मनोनीत

✷ **एनसीआर टुडे. नगीना** ✷

विधि विभाग उत्तर प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी के प्रदेश चेयरमैन नितिन मिश्रा एड. के अनुमोदन पर जिला चेयरमैन प्रशांत कुमार गोयल ने सिविल कोर्ट नगीना के वरिष्ठ अधिवक्ता ज़हीर अहमद ख़ान को संगठन का जिला संयोजक मनोनीत किया है। उनके मनोनयन पर अधिवक्ताओं व पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक सादे समारोह में उन्हें मुबारकबाद पेश की।

नगीना कोर्ट ने वकालत करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता ज़हीर अहमद ख़ान अफजलगढ़ के मौहल्ला गौहरअली ख़ा के रहने वाले है और लंबे समय से कॉंग्रेस के प्रति समर्पित व सक्रिय है उनकी पार्टी व संगठन के प्रति लगन व मेहनत को देखते हुए विधि विभाग उत्तर प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी के बिजनौर जिला चेयरमैन प्रशांत कुमार गोयल एडवोकेट ने नगीना सिविल कोर्ट पहुंच कर ज़हीर अहमद ख़ान को विधि विभाग का जिला संयोजक मनोनीत किया और संगठन के प्रदेश चेयरमैन नितिन मिश्रा द्वारा अनुमोदित मनोनयन पत्र उन्हें दिया।

इस अवसर पर उनके साथ कॉंग्रेस कमेटी बिजनौर के कोषाध्यक्ष मौ.आरिफ ख़ान एड. व विधि विभाग के जिला सह संयोजक व बढ़ापुर कॉंग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फरीद अहमद खान एडवोकेट भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मसलाउद्दीन ख़ान कुशलपाल सिंह, मुख्तार अहमद, अरशद जावेद, मौ. शफीक, शादाब अहमद, जसीम उस्मान, सरफ़ूराही, असलूब अहमद आदि अधिवक्ताओं ने जिला चेयरमैन प्रशांत कुमार गोयल का स्वागत किया और नवमनोनीत जिला संयोजक ज़हीर अहमद ख़ान को मुबारकबाद दी और उनसे आशा व्यक्त की कि वह अधिवक्ताओं के हित व पार्टी संगठन को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करेंगे।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने लगाया जाम, टीएसआई ने छात्र नेता से की बदसलूकी

एनसीआर टुडे. बिजनौर। सुबह एक टीएसआई और एबीवीपी के विभाग संयोजक के बीच विवाद के बाद सैकड़ों छात्र सड़क पर उतर आए। बैराज कॉलोनी बाईपास पर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और सड़क जाम कर दी। मामला बैराज कॉलोनी चौक का है, जहां एबीवीपी के विभाग संयोजक हनी अहलावत की टीएसआई रवि नैन से बहस हो गई। हनी का कहना है कि वह अपनी बाइक से ब्रेड लेने जा रहे थे। टीएसआई ने उन्हें रोक लिया। हनी ने बताया कि वह पास में ही रहते हैं और सिर्फ दुकान से सामान लेने गए थे।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली – 110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदो के लिए ई – निविदा आमंत्रित की जाती हैः–

क्र.सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अन्तिम तिथि
1.	82251030A	TDM-1 (एडो–ट्रैस्टुजुमाब एम्टान्सिन) इंजेक्शन 100 मि.ग्रा.	264 Nos	18.08.2025
2.	82251026A	पेरटुजुमैब इंजेक्शन 420 मिलीग्राम	125 Nos	18.08.2025

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। **टेंडर नोटिस सं. इंजेक्शन और दवाएं दिनांकः 25.07.2025** **2280/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल अभियंता/समन्वय, मन्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए e- निविदाए आमन्त्रित की जाती है

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	समापन अवधि	निविदा खुलने की तिथि
ए	वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय/डीएलआई के अधीन दिल्ली मंडल के विभिन्न यार्डों में गैस या किसी अन्य अनुमोदित विधि का उपयोग करके पीएससी स्लीपरों पर जब्त/टूटी/जंग लगी प्लेट/रेल स्क्रू का नवीनीकरण।	रु. 23818500/-	रु. 2,69100/-	12- माह.	19.08.2025
बी	दिल्ली मंडल में विभिन्न आरयूबी/एलएचएस/सबवे पर जलभराव से बचने के लिए स्वचालित पम्पिंग व्यवस्था, ऑटो अलर्ट और ऑटो स्लाइडिंग बूम के साथ स्वचालित जल निकासी प्रणाली।	रु. 9735000/-	रु. 1,94,700/-	03- माह.	19.08.2025

सुचना: निविदा रेलवे की वैबसाइट **'www.ireps.gov.in'** पर उपलब्ध है तथा इसी वैबसाइट पर 19.08.2025 15:00 बजे तक ही भरी जायगी. **पत्र सं.–128–ड्ब्ल्यु/वं.मं.अधि./सं/निविदा–09-ए,बी/25-26-ड्ब्ल्युसी दिनांक– 24.07.2025** **2260/2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

न्यायालय की चेतावनी और समाज का आईना

'लव जिहाद'-एक ऐसा शब्द जो न तो भारतीय क़ानून में परिभाषित है, न संविधान में मान्यता प्राप्त, लेकिन फिर भी राजनीतिक मंचों, टीवी डिबेट्स और सड़कों पर सुनाई देने लगा है। अब यह बहस हरियाणा तक भी पहुँच चुकी है, और अदालतों तक भी।

हाल ही में हरियाणा के एक चर्चित केस में अदालत ने स्पष्ट कहा- "हरियाणा में लव जिहाद नामक आंदोलन चल रहा है, जबकि यह शब्द किसी भी वैधानिक दस्तावेज़ में मान्यता प्राप्त नहीं।" इस एक टिप्पणी ने हमें आईना दिखा दिया कि कैसे हम एक ऐसी अवधारणा के पीछे दौड़ रहे हैं, जिसकी जड़ें सच्चाई में कम और सियासत में अधिक गहराई से जुड़ी हैं।

कोर्ट ने कहा कि समाज में 'लव जिहाद' के नाम पर एक तरह का भावनात्मक आंदोलन शुरू हो गया है, जिसमें तथ्यों और साक्ष्यों को ताक पर रखकर केवल आरोपों के आधार पर पूरे समुदायों को कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है। यह टिप्पणी एक ऐसे केस में आई जहाँ एक युवती ने एक मुस्लिम युवक पर धोखे से शादी का झांसा देकर यौन संबंध बनाने का आरोप लगाया था। मामला बेहद संवेदनशील था क्योंकि युवती नाबालिग थी, और लड़के पर धर्म बदलवाने के लिए दबाव डालने का आरोप भी लगा। लेकिन कोर्ट ने पूरी गवाहियों और तथ्यों के विश्लेषण के बाद पाया कि आरोपों और वास्तविकता में बड़ा अंतर था। अदालत ने यह भी साफ किया कि किसी रिश्ते के टूटने या उसमें धोखे की संभावना को धार्मिक षड्यंत्र में बदल देना न केवल न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि सामाजिक सौहार्द के लिए भी घातक है।

यह शब्द मूलतः कुछ दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा प्रचारित किया गया, जिसमें यह दावा किया गया कि मुस्लिम युवक योजनाबद्ध रूप से हिन्दू लड़कियों को प्रेमजाल में फँसाकर उनका धर्मांतरण कर रहे हैं। हालाँकि, अब तक न तो कोई राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (NIA), न ही कोई न्यायालय इस शब्द को सिद्ध कर पाया है। यह केवल एक भावनात्मक, धार्मिक और सांप्रदायिक डर की उपज है, जिसका कोई संवैधानिक आधार नहीं है।

फिर भी, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और कुछ अन्य राज्यों में इस शब्द के आधार पर विशेष कानून बनाए गए हैं, जो विवाह के नाम पर धर्मांतरण को अपराध घोषित करते हैं। लेकिन इन कानूनों की आलोचना भी होती है क्योंकि अक्सर इन्हें प्रेम-विवाहों और अंतरधार्मिक संबंधों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया गया है। समाज की विडंबना देखिए-जहाँ एक ओर हम लव मैरिज, सेक्युलरिज्म, स्वतंत्रता की बातें करते हैं, वहीं दूसरी ओर जब दो अलग धर्मों के युवक-युवती प्रेम करें, तो उन्हें शक की नजर से देखा जाता है।

क्या प्रेम को मजहब के चश्मे से देखना सही है?
क्या हर मुस्लिम लड़का जो हिन्दू लड़की से प्रेम करे, वह 'जिहाद' कर रहा है?
क्या हम इतने असहिष्णु हो गए हैं कि अब प्रेम भी जाति, धर्म और पंथ का गुलाम हो गया है?

'लव जिहाद' जैसे शब्द मीडिया के लिए मसाला हैं और राजनेताओं के लिए हथियार। टीवी चैनलों की बहसें इस मुद्दे पर गर्म रहती हैं, लेकिन कोई भी यह सवाल नहीं करता कि आखिर इस शब्द की वैधानिक स्थिति क्या है।
राजनीतिक मंचों पर इसे 'हिन्दू अस्मिता' का मामला बनाकर भुनाया जाता है। जनता को डराया जाता है कि उनके घरों की बहुएं-बेटियाँ टारगेट हो रही हैं, और धर्म खतरे में है।
जबकि सच यह है कि ज्यादातर केस में ऐसे संबंध सहमति पर आधारित होते हैं-और यदि कोई धोखा होता भी है, तो उसे व्यक्तिगत अपराध की तरह देखना चाहिए, न कि धार्मिक युद्ध की तरह।
हमें यह समझना होगा कि किसी भी प्रेम या संबंध को मजहबी नजरिए से देखना, हमारे लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक ताने-बाने के खिलाफ है।
भारत एक ऐसा देश है जहाँ
मीरा ने कृष्ण को प्रेम किया,
हीर रांझा, सलीम अनारकली,
अमर अकबर एंथनी जैसे पात्रों ने सहिष्णुता को जीया।
वहाँ आज का समाज यह सोच ले कि दो मजहबों के लोगों का प्रेम 'षड्यंत्र' है, तो यह मानवता का पतन है।
हरियाणा की अदालत की यह टिप्पणी सराहनीय है, क्योंकि यह भावनाओं नहीं, तथ्यों पर आधारित निर्णय है।
जब पूरा समाज प्रचार और अफवाहों में उलझा हो, वहाँ न्यायालयों का यह विवेकपूर्ण रुख लोकतंत्र की रक्षा करता है।
न्यायमूर्ति का यह कहना-
'सच को तोलना ही होगा, पूर्वाग्रह से नहीं'
-यह सिर्फ कानूनी निर्देश नहीं, एक सामाजिक चेतावनी है।
हरियाणा जैसे राज्य, जहाँ जातिवाद, ऑनर किलिंग और महिला असुरक्षा पहले से ही विकराल हैं-वहाँ 'लव जिहाद' जैसे शब्दों का प्रचार समाज को और अधिक तोड़ देगा।
हमें तय करना होगा-
क्या हम ऐसा समाज बनाना चाहते हैं जो प्रेम से डरे,
या ऐसा जहाँ प्रेम को समझा जाए?
क्या हम औरत को अपनी 'जातीय संपत्ति' मानकर उसकी स्वतंत्रता छीनना चाहते हैं,
या एक स्वतंत्र नागरिक की तरह उसकी इच्छा का सम्मान करना सीखना चाहते हैं?
'लव जिहाद' एक राजनीतिक भाषा का शब्द है, न कि संवैधानिक सच्चाई।
हरियाणा की अदालत ने इस भ्रम का पर्दाफाश कर हमें चेताया है-
कि रिश्ते, प्रेम, विवाह जैसे निजी मामलों को धार्मिक युद्ध का मोर्चा मत बनाइए।
अगर किसी संबंध में धोखा है-तो उसका हल क़ानून में है।
लेकिन अगर हर प्रेम पर धर्म का चश्मा चढ़ाया जाएगा,
तो समाज में न प्रेम बचेगा, न भरोसा-
सिर्फ नफ़रत, भय और असहिष्णुता की जड़ें और गहरी होंगी।
प्रेम में प्रश्न नहीं होते, पूर्वाग्रह नहीं होते, संप्रदाय नहीं होता-वहाँ सिर्फ दो इंसान होते हैं जो एक-दूसरे को चुनते हैं। उन्हें मज़हब में मत तोलिए, इंसानियत में समझिए।

जब गुनहगार छूटते हैं और पीड़ित रह जाते हैं ...

2006 के मुंबई लोकल ट्रेन धमाकों में लगभग 189 लोगों की जान गई। लगभग 19 वर्षों तक चले मुकदमे के बाद जब उच्चतम न्यायालय ने सबूतों के अभाव में 12 अभियुक्तों को बरी कर दिया, तो यह न्याय व्यवस्था, जांच एजेंसियों और अभियोजन की निष्क्रियता पर गहरी चोट थी। कमजोर जांच, फॉरेंसिक लापरवाही, जबरन कबूलनामे और गवाहों की सुरक्षा की अनदेखी ने पूरे मामले को खोखला बना दिया। यह घटना हमें बताती है कि न्याय सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक, निष्पक्ष और जवाबदेह प्रणाली की आवश्यकता है। वरना जनता का भरोसा केवल व्यवस्था पर से ही नहीं, लोकतंत्र से भी उठ जाएगा।

प्रियंका सौरभ

मुंबई में वर्ष 2006 में हुए लोकल ट्रेन धमाके देश के इतिहास की सबसे भयानक आतंकी घटनाओं में से एक थे। सात जगहों पर ट्रेनों में बम विस्फोट कर के 189 लोगों की जान ली गई और लगभग 800 से अधिक लोग घायल हुए। यह हमला केवल मानव शरीरों पर नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की आत्मा पर किया गया था। पूरा देश सन्न रह गया था। भय, आक्रोश और असहायता के बीच एकमात्र आशा थी – न्याय की। परंतु जब लगभग 19 वर्षों बाद सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले के 12 आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया, तब एक बार फिर यह प्रश्न गूंजने लगा कि क्या हमारे देश में पीड़ितों को कभी न्याय मिल भी पाता है?

यह निर्णय केवल एक अदालती प्रक्रिया का परिणाम नहीं था, बल्कि यह उस व्यवस्था की पोल खोलने वाला था जिसमें जांच एजेंसियों की निष्क्रियता, अभियोजन की लापरवाही और राजनीतिक हश्तक्षेप की मिलीजुली साजिश वर्षों से न्याय को घुटनों पर लाने का कार्य कर रही है। किसी भी न्यायालय का कार्य तथ्यों, साक्ष्यों और विधिक प्रक्रिया के आधार पर निष्पक्ष निर्णय देना होता है। लेकिन जब जांच ही लचर हो, जब सबूत इतने कमजोर हों कि अदालत उन्हें स्वीकार ही न करे, तो फिर न्यायालय भी विवश हो जाता है।

इस मामले में आरोपियों को सज़ा न मिल पाने का दोष न्यायालय पर मढ़ना आसान है, लेकिन वाश्तव में जिम्मेदार वे अधिकारी हैं जिन्होंने इस गंभीर आतंकी हमले की जांच को हल्केपन और जल्दबाज़ी से अंजाम दिया। कई आरोपियों के कबूलनामे जबरन करवाए गए, जो कि भारतीय न्यायिक प्रक्रिया में स्वीकार्य नहीं हैं। विस्फोट स्थलों से फॉरेंसिक साक्ष्य समय पर एकत्रित नहीं किए गए। गवाहों की सुरक्षा को नज़रअंदाज़ किया गया। चार्जशीट्स में विरोधाभासी बातें सामने आईं और अभियोजन पक्ष अदालत में अपना पक्ष मजबूती से नहीं रख सका। इन सबका परिणाम यह हुआ कि वे लोग जो सालों से दोषियों को सज़ा दिलाने की उम्मीद में अदालतों के चक्कर काट रहे थे, उन्हें अंत में निराशा ही हाथ लगी। क्या इस देश में किसी आम आदमी की जान की कोई कीमत नहीं है? क्या पीड़ित परिवारों की आंखों के आँसू, उनकी टूटती उम्मीदें और उनके जीवन की असुरक्षा हमारी व्यवस्था को झकझोरने के लिए काफी नहीं?

यह कोई पहला मामला नहीं है जहां न्याय व्यवस्था ने पीड़ितों को न्याय दिलाने में असफलता दिखाई हो। भोपाल गैस त्रासदी, हाशिमपुरा नरसंहार, 1984 सिख दंगे, और निठारी हत्याकांड – यह सभी उदाहरण हैं जहां या तो दोषी छूट गए या न्याय मिलने में इतनी देर हुई कि उसका कोई अर्थ ही नहीं बचा। यह सबूत हैं कि हमारी न्यायिक प्रणाली में समय, साक्ष्य और सत्य – तीनों की कमी होती जा रही है। न्याय केवल अदालत में फैसले देने की प्रक्रिया नहीं है, वह समाज के उस विश्वास की रीढ़ है जो शासन और प्रशासन पर टिका होता है। यदि बार-बार अपराधी बच निकलें, यदि आतंकवादी छूट जाएं, और यदि पीड़ित सालों अदालतों की सीढ़ियां चढ़ते रहें तो वह विश्वास ताश के पत्तों की तरह ढह जाता है।

मुंबई ट्रेन धमाके की जांच जिस प्रकार से की गई, वह बताता है कि हमारी जांच एजेंसियां न केवल तकनीकी रूप से कमजोर हैं, बल्कि वे राजनीतिक दबाव में काम करने के लिए अभिशप्त भी हैं। भारत में जांच का ढांचा ब्रिटिशकालीन मानसिकता पर आधारित है, जिसमें अपराधी को पकड़ने से ज़्यादा उसे 'दिखाने' पर ज़ोर होता है। और जब मामला आतंकवाद से जुड़ा हो, तो कई बार बेकसूरों को पकड़ कर जनता के गुस्से को शांत करने की कोशिश की जाती है। इससे असली अपराधी कभी पकड़ा ही नहीं जाता, और सारा केस अदालत में दम तोड़ देता है।

इस मामले में भी कई ऐसे पहलू हैं जो चिंता पैदा करते हैं। जैसे – जांच में देरी, सबूतों का वैज्ञानिक तरीके से संग्रह न होना, अभियुक्तों के विरुद्ध पर्याप्त तकनीकी साक्ष्य न होना, और गवाहों का मुकर जाना। इन सब कमियों के बावजूद यदि हम न्याय की उम्मीद करें, तो यह केवल छलावा होगा। क्या न्यायपालिका को केवल मौन दर्शक बने रहना चाहिए? क्या उसका कोई दायित्व नहीं कि वह जांच की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए? जब अदालतों ने कई अन्य मामलों में विशेष जांच दल (SIT) गठित किए हैं, तो फिर इस गंभीर मामले में क्यों नहीं? न्यायिक सक्रियता केवल राजनैतिक मामलों या नागरिक अधिकारों तक ही सीमित क्यों?

वाश्तव में न्याय प्रणाली को समयबद्ध, वैज्ञानिक और जवाबदेह बनाने के लिए एक सम्पूर्ण सुधार की आवश्यकता है। सबसे पहले तो अभियोजन विभाग को पुलिस से अलग कर स्वतंत्र इकाई के रूप में स्थापित करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि अभियोजन किसी राजनीतिक दबाव या पुलिस की एकतरफा जांच का हिस्सा नहीं बनेगा। दूसरे, गवाह सुरक्षा कानून को प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए। आतंकवाद जैसे मामलों में गवाहों को धमकाना बहुत आम है, जिससे वे अदालत में बयान बदल देते हैं। तीसरे, जांच एजेंसियों को तकनीकी प्रशिक्षण और आधुनिक उपकरण दिए जाने चाहिए ताकि वे डिजिटल और फॉरेंसिक साक्ष्यों को प्रभावी रूप से इकट्ठा कर सकें। चौथे, फास्ट ट्रैक अदालतें बनाकर ऐसे मामलों की सुनवाई समयबद्ध तरीके से करनी चाहिए, ताकि पीड़ितों को 19 साल तक न्याय की प्रतीक्षा न करनी पड़े। और पांचवां, यदि कोई जांच एजेंसी जानबूझकर कमजोर चार्जशीट बनाती है, तो उसकी जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इस मामले में एक और महत्वपूर्ण पक्ष है – मीडिया की भूमिका। मीडिया को भी आत्ममंथन करना होगा। जब कोई मामला अदालत में हो, तब मीडिया द्वारा किसी को दोषी या निर्दोष घोषित कर देना, न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करता है। मीडिया ट्रायल से गवाहों पर दबाव बनता है और जनता का पूर्वग्रह उभरता है। यह भी कारण है कि न्याय अपने नैतिक स्वरूप से दूर होता जा रहा है।

आख़िर में यही कहा जा सकता है कि न्याय केवल कागज़ी प्रक्रिया नहीं है, वह एक जीवंत विश्वास है, जो प्रत्येक नागरिक के मन में इस सोच के साथ पलता है कि कोई उसके साथ अन्याय नहीं कर सकता। जब यह विश्वास टूटता है, तब देश की आत्मा घायल होती है।

मुंबई ट्रेन धमाकों के पीड़ितों के साथ जो हुआ, वह केवल एक दालती मामला नहीं है – वह पूरे देश के लिए एक चेतावनी है कि यदि अब भी हमने अपनी व्यवस्था को नहीं सुधारा, तो अगली बार फिर कोई धमाका होगा, फिर निर्दोष मारे जाएंगे, फिर कोई माँ न्याय की भीख मांगेगी, और फिर कोई अदालत कहेगी – साक्ष्य नहीं मिले।

परंपरा तभी पूजनीय, जब न्याय साथ हो

सुधीर पाल

छत्तीसगढ़ के बशतर और सरगुजा से लेकर झारखंड, उड़ीसा और महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों तक फैले आदिवासी समाज में उत्तराधिकार का अधिकार अब तक पुरुषों तक सीमित रहा है। 'हमारी बहन बेटियां हमारी अमानत हैं, लेकिन जमीन पर उनका हक नहीं', यह कथन कई आदिवासी समुदायों के सामाजिक ढांचे को दर्शाता है। पाँचवीं अनुसूची वाले क्षेत्रों में (जैसे छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा आदि) आदिवासी समुदायों की परंपरागत व्यवस्थाओं को सम्मान देने की संवैधानिक व्यवस्था है।

यह संविधान की धारा 13 और 372 के तहत मान्यता प्राप्त 'कस्टमरी लॉ' के तहत आता है। परंतु जब ये परंपराएँ लैंगिक भेदभाव पर आधारित होती हैं, तो वे संविधान की बुनियादी संरचना से टकरा जाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आदिवासी परंपराओं का सम्मान ज़रूरी है, लेकिन उन परंपराओं का नहीं जो महिलाओं को दूसरे दर्जे का नागरिक बना दे। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि आदिवासी महिलाओं को उत्तराधिकार में पुरुषों के समान अधिकार मिलने चाहिए। यह फैसला पहली दृष्टि में न्याय का प्रतीक लगता है, लेकिन जब हम गहराई में जाकर देखते हैं तो यह सवाल उठता है कि क्या यह न्याय है, या न्याय के नाम पर सामाजिक-सांस्कृतिक और कुछ हद तक पाँचवीं अनुसूचित क्षेत्र की विशिष्ट व्यवस्था में हश्तक्षेप?

भूमि अधिकार बनाम परंपरा: आदिवासी महिलाएं जंगल, जमीन और जल से गहराई से जुड़ी हैं। वह जल संग्रहण करती है, बीज बचाती है, खेती करती है, और जंगल को जीवित रखती है। फिर भी, जब भूमि के मालिकाना हक की बात आती है तो उसका नाम कहीं नहीं होता। अक्सर यह कहा जाता है कि आदिवासी समाज पुरुष प्रधान नहीं होता, वहां महिला को सम्मान मिलता है। लेकिन सम्मान और अधिकार में फर्क है। एक और तर्क दिया जाता है कि आदिवासी समुदायों में जमीन का स्वामित्व सामुदायिक होता है ना कि व्यक्तिगत। लेकिन जमीन अधिग्रहण का मुआवजा का पैसा या आदिवासी जमीन की बिक्री का पैसा कभी किसी ग्राम सभा के खाते में जमा हुआ है? सामुदायिक स्वामित्व के प्रकृति की जमीन जैसे पहनई, मुंडई, महतोई, डाली-कतारी, भूत-खेता, पनभरा इत्यादि के अधिग्रहण की राशि ग्राम सभा के खाते में कभी जमा हुई है, इसके उदाहरण नहीं हैं। गैर आदिवासी पुरुषों से आदिवासी लड़कियों की शादी को भी जमीन से जोड़ कर देखा जाता है। मालूम हो जमीन की प्रकृति कभी नहीं बदलती है। आदिवासी महिला के गैर आदिवासी से शादी के बाद भी जमीन का नेचर आदिवासी ही रहेगा और हश्तांतरण नहीं हो सकता है। जैसे वनाधिकार कानून के तहत मिली जमीन की प्रकृति हमेशा वन भूमि की ही रहती है।

क्या महिला को अपनी पुश्तैनी जमीन बेचने, उस पर खेती करने, या ग्रामसभा में भूमि के मुद्दों पर निर्णय लेने का अधिकार है?

कई समुदायों में विवाह के बाद महिला अपने मायके की जमीन पर अधिकार नहीं रखती।

क्या यह पुरानी परंपरा है या पितृसत्तात्मक कानूनों का धीरे-धीरे घुसपैठ?

यहां एक बड़ा संवैधानिक प्रश्न उठता है- क्या पाँचवीं अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी समुदायों पर भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम लागू होता है? पाँचवी अनुसूची, जो आदिवासियों की स्वायत्तता और परंपरा को मान्यता देता है, स्पष्ट करता है कि राज्यपाल के पास यह अधिकार है कि वे केंद्र और राज्य के किसी कानून को अनुसूचित क्षेत्रों में लागू करने से रोक सकते हैं या उसमें बदलाव कर सकते हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब कोई कानून मूल अधिकारों का उल्लंघन करता है, तब परंपरा या संस्कृति का हवाला नहीं दिया जा सकता। झारखंड के अधिवक्ता सुनील उरांव बताते हैं कि छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908, की धारा 6 (1) में उल्लेखित 'भूमि जोतने वाला' सिद्धांत का ऐसा अर्थ निकाला गया है कि विवाहित बेटियों को उनके पैतृक कृषि भूमि में अधिकार से वंचित किया गया। यह व्याख्या अक्सर इस धारणा पर आधारित थी कि विवाह के बाद एक महिला अपने पैतृक परिवार का हिस्सा नहीं रहती और इसलिए उसका पैतृक भूमि पर कोई अधिकार नहीं होता है. खासकर वह स्वयं खेती न करे। छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908, झारखंड में आदिवासी भूमि की रक्षा के लिए एक प्रमुख विधिक साधन है।

सीएनटी की धारा-17 स्पष्ट रूप से बताती है कि अधिभोग अधिकार (occupancy rights) उत्तराधिकारियों को हश्तांतरित और उत्तराधिकार योग्य होते हैं। अधिनियम पुरुष और महिला उत्तराधिकारियों के बीच कोई भेद नहीं करता है, न ही विवाहित बेटियों को उत्तराधिकार से वंचित करने का कोई प्रावधान करता है। इसका तात्पर्य यह है कि यदि कोई प्रथागत/रूढिगत कानून विवाहित बेटियों को उत्तराधिकार से वंचित करता है, तो उसे संवैधानिक वैधता के लिए संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) और अनुच्छेद 15 (धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध) के तहत परखा जाना चाहिए।

अधिवक्ता सुनील उरांव समझाते हैं कि सीएनटी की धारा-46 में अंतरण का नियमन है। यह धारा स्वैच्छिक अंतरणों जैसे विक्रय, पट्टा या उपहार/दान पर नियंत्रण लगाती है, जिसके लिए उपायुक्त की पूर्व स्वीकृति आवश्यक है। इस धारा का उद्देश्य आदिवासी भूमि को गैर आदिवासियों के हाथों में जाने से रोकना है। हालांकि, मोसमात किशुनी कुवंर बनाम अंडू महतो (एआइआर, 1930 पट 55) जैसे ऐतिहासिक मामलों में पटना उच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट किया है कि उत्तराधिकार और वसीयत के माध्यम से संपत्ति का अंतरण इस धारा के अधीन नहीं आता है। इसका मतलब है कि उत्तराधिकार के माध्यम से प्राप्त भूमि के लिए उपायुक्त की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होती, जिससे आदिवासी महिलाओं के लिए विरासत में मिली भूमि पर अधिकार का दावा करना आसान हो जाता है।

सुप्रीम कोर्ट का विवेचन: सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निचली अदालतों ने मान लिया था कि कोई 'बहिष्करणीय प्रथा' मौजूद है, जिसके अनुसार बेटियों को पैतृक संपत्ति से वंचित किया जा सकता है। अदालतों ने अपीलकर्ता से अपेक्षा की थी कि वह सिद्ध करे कि विपरीत प्रथा (यानी बेटियों को अधिकार देने की परंपरा) है, जबकि पक्षों द्वारा ऐसी कोई विशिष्ट प्रथा प्रमाणित नहीं की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आधुनिक न्यायशास्त्र में यदि कोई विशेष भाष्य/प्रथा स्पष्ट नहीं है, तो समावेशी दृष्टिकोण–समानता–को प्राथमिकता मिलनी चाहिए और बहिष्करण का बोझ उल्लेख करने वाले पक्ष पर होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक कोई स्पष्ट कानून या प्रमाणित परंपरा मौजूद नहीं है, अदालतों को न्याय, समता और अच्छे विवेक के सिद्धांत को लागू करना चाहिए। अदालत ने केंद्रीय प्रांत विधि अधिनियम, 1875 (अब निरश्त) की धारा 6 का हवाला दिया, जिसके अनुसार, जहां स्पष्ट कानून न हो, वहां न्याय/समता का अनुसरण होता है। अदालत ने माना कि अधिनियम के निरसन के बावजूद उसमें आए अधिकारों का संरक्षण किया जाएगा।

संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 15 (लिंग, जाति आदि के आधार पर भेदभाव की मनाही) का उल्लंघन आदिवासी महिलाएं संपत्ति से वंचित कर के किया जा रहा था। अनुच्छेद 38 और 46 में राज्य को सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्गों के उत्थान का दायित्व सौंपा गया है। अदालत ने यह भी कहा कि समानता का अधिकार बोधगम्य वर्गीकरण की भी सीमाएं तय करता है।

अनुसूचित क्षेत्र और आदिवासी अधिकारों पर असर: सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावः परंपरागत रूप से अनेक आदिवासी समाजों में भूमि और संपत्ति का उत्तराधिकार पुरुषों तक सीमित माना गया है, परंतु यह समश्त जनजातियों में एक समान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने आदिवासी महिलाओं को समान अधिकार देकर, समुदायों के भीतर लैंगिक न्याय की एक नई मिसाल कायम की है। यह कुप्रथा कि 'प्रथा' के नाम पर महिलाओं को भूमि अधिकार से वंचित किया जाए, अब कानूनी रूप से अस्वीकार्य है। इससे महिलाओं में संपत्ति के स्वामित्व का बोध, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक सम्मान बढ़ेगा।

कानूनी और प्रशासकीय प्रभावः अब अनुसूचित क्षेत्रों की अदालतों/प्रशासन को प्रथाओं के साक्ष्य न होने की स्थिति में बेटियों/महिलाओं को समता का अधिकार देना होगा। पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विश्तार) अधिनियम, 1996 (पेसा) और वन अधिकार अधिनियम, 2006 जैसे कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन में भी इसका सकारात्मक असर पड़ेगा, क्योंकि महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।

भूमि और आजीविका पर प्रत्यक्ष प्रभावः आदिवासी महिलाएं पूर्व में भूमि अधिकार के अभाव के कारण कई कल्याणकारी योजनाओं और सरकारी सहयोग से वंचित रहती थीं। अब संपत्ति में हिस्सेदारी से उन्हें सरकारी योजनाओं, बैंक लोन, संपत्ति के विकास पर निर्णय में अधिकार मिलेगा। अनुसूचित क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों पर महिलाओं का स्वामित्व उनके परिवार तथा समुदाय की खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य व जीवन-शतर में सुधार लाएगा।

परंपरा और लैंगिक समानताः सुप्रीम कोर्ट ने फैसलाकर्ता की भूमिका निभाते हुए न्यायशास्त्र को स्पष्ट किया है कि आधुनिक भारत में लैंगिक समानता एक शर्त है और हर प्रथा या परंपरा को इसके अधीन होना होगा। फैसले में यह भी युक्तिसंगत रूप से कहा गया कि 'परंपराएँ भी समय के साथ परिवर्तनशील हैं। ' अनावश्यक बहिष्करण की परंपराएँ अब संवैधानिक मूल्यों के आगे टिक नहीं सकतीं। यह निर्णय पितृसत्ता के अवचेतन सांस्कृतिक प्रभावों को भी चुनौतियाँ देता है, जो लंबे समय से न्यायिक मान्यताओं में 'डिफॉल्ट' रहे हैं।

इस फैसले को समझते समय हमें यह याद रखना चाहिए कि यह सिर्फ महिला बनाम पुरुष का सवाल नहीं है। यह न्याय और परंपरा के बीच, समानता और सांस्कृतिक स्वायत्तता के बीच संतुलन का सवाल है। हो सकता है, भविष्य में ग्रामसभा स्वयं यह तय करे कि उसकी बेटियां भी उतनी ही हकदार हैं जितने बेटे। लेकिन जब तक वह स्वीकृति नहीं आती, तब तक संविधान को यह दखल देना ही होगा कि कोई भी भारतीय नागरिक, चाहे वह जनजाति से ही क्यों न हो-उसके मौलिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता। यह फैसला मात्र एक महिला के उत्तराधिकार की बात नहीं है, यह उस समूचे विमर्श का पुनर्निर्माण है जिसमें परंपरा को न्याय की कसौटी पर परखा जा रहा है।

देश के लिए रूस का योगदान अहम है

संजय गोरवामी

हमें हमेशा ईमानदारी से मेहनत से काम करना चाहिए फल जरूर मिलेगा जब बिहार विधानसभा में तेजस्वी यादव और नीतीश कुमार के बीच तकरार हुआ तो दोनों में बहसाबहसी हुई।

सभापति ने आरजेडी के विधायक से उनके शर्मनाक ब्यवहार से माफी मांगने क़ो कहा, उधर जन सुराज पार्टी के नेता डॉ प्रशांत किशोर कहीं सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन कहीं कुछ भी बोलना ठीक नहीं है। मुस्लिम वोट के लिए उन्होंने उनकी सभा में ऐ तक कह दिया कि आप अल्पसंख्यक नहीं हो आपकी आबादी 20 करोड़ के पास है।

अतः हक़ मांगो देखिए बिहार बहुत ही चालक राज्य है चुनाव में भाषण देना आसान है लेकिन वोट लेना बहुत मुश्किल है क्योंकि इतने सालों बाद भी बीजेपी अपना सरकार नहीं बना पा रही है। यानि एनडीए बहुत मुश्किल से टिकी है।

अतः नीतीश कुमार क़ो उम्र के हिसाब से कमजोर समझना भूल होगी क्योंकि उनका बिहार में महिलाओ का एक बड़ा वर्ग उसके समर्थन में वोट देती है।

इसका कारण है पूर्व के लालू सरकार के शासन काल जिसमें उस जंगलराज में शाम होते ही महिलाओ का निकलना मुश्किल होता है। आरजेडी का बड़ा वोट बैंक मुस्लिम और अनुसूचित जाति का है।

चाहे कितना भी भाषण दे दें बिहार में आरजेडी क़ो मुस्लिम का वोट मिलता है जब स्व राम विलास पासवान जो उस समय मुस्लिमों के बड़े चहेते थे उन्होंने यहाँ तक कह दिया था जब 2005 में 30 सीट लाकर त्रिसूँक परिणाम आए तो कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री होगा तो मुस्लिम ही होगा।

जब उन्हें बहुत रैली के बाबजूद 30 सीट ही मिली थी जहाँ एक ही नारा हर जगह चलता था एक आस रामविलास बाद में आरजेडी के साथ लोजपा का बिहार में गठबंधन हुआ और एनडीए के पक्ष में सरकार बनी थी हालांकि उस समय राजगीर में जेडीयू, बीजेपी के साथ लगभग सरकार बनाने की स्थिति में थी लेकिन उस समय कॉंग्रेस के नेता बूटा सिंह बिहार के राज्यपाल थे और उस समय के राष्ट्रपति डॉ कलाम साहब विदेश में थे। उन्होंने फैक्स के माध्यम से राज्यपाल के प्रशताव पर बिहार में राष्ट्रपति शासन की मंजूरी दे दी तभी से बिहार के पढ़े लिखे लोगों क़ो ऐ निर्णय सही नहीं लगा और बाद में एनडीए की सरकार बनी उस समय बड़े बड़े वकील यहाँ तक न्यायधीश के व्यक्तिगत राय थी कि एक चुनी हुई पार्टी क़ो सदन में बहुमत सिद्ध करना होता है कि ना की राजगीर में अतः राष्ट्रपति शासन वो भी विदेश से फैक्स के माध्यम से लगाना न्यायपूर्ण नहीं है और इसका फायदा नीतीश कुमार की अगुवाई में पूर्ण बहुमत से बनी क्योंकि उस समय ईवीएम से चुनाव हुआ।

अतः पारदर्शिता थी जिस समय टी एन शेषण चुनाव आयूक़्त थे उस दौर में खासकर गरीब महिलाओ का घर से निकलने पर कहीं जेवर लूट लेते कहीं चोरी कहीं बलात्कार होता और प्रशासन उसे राजनीती दबाव में कुछ नहीं कर पाती यहाँ तक की बदमाश लड़के प्यार के शौक में लड़की के घर भी घुस जाते थे।

बिहार में एक तरफ अपराध उस समय चरम सीमा पर था क्योंकि हर दिन कुर्सी का ऐसा नशा था कि गाड़ी चोरी होती कहीं और और मिलता राजनेता के पास, दिन दहारे लूट और हंगामा करने पर गोली चला देना ऐ गुंडाराज ही था जिससे बिहार की बदनामी दूसरे राज्य में होती और जब 2005 में एनडीए की सरकार बनी तो मातम परसा पटना में और खुश हुआ दूसरे राज्य के लोग उस समय लोग ऐ कहते नजर आने लगे कि क्या भाई लालटेन की लौ बुझा दि लालू जी का जो बोलने का अंदाज था।

वो दूसरे राज्य के लोग उसका मज़ाक उड़ाते नजर आते थे आज वो खुद ही स्वास्थ से लाचार नजर आते हैं इसलिए बुराई का अंत निश्चित है क्योंकि उसे भगवान राम देख रहें होते हैं और बिहार में भगवान राम क़ो मानने वाले लोगो की संख्या बहुत अधिक है क्योंकि वहाँ गरीबी है।

मुझे याद है कि एक बेदाम बेचने वाला क़ो 1रूपये की कम देकर आधा तो खा गया और बोलने पर उस समय 30 रूपये की गोली चला कर उसकी हत्या कर दि गई इसलिए वहाँ एक छत्र राज्य करना मुश्किल है बिहार गुरू गोविन्द सिंह की जन्मभूमि है इसलिए इतना आसान नहीं है अपराध करना क्योंकि बाद में मिट्टी में मिल जायेंगे यदि आज अपराध किया तो सज़ा मिलना तय है।

अतः वोटर संसोधन सही है या गलत न्यायलय इसका फैसला करेगा आज कल देश के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़जी का इशतीफा देना एक मुद्दा बना हुआ है जो देश का दूसरा सर्वोच्च पद है। देखिए जब तक सच्चाई सामने नहीं आती इस पर बोलना ठीक नहीं है क्योंकि वो एक सम्मानीय पद है।

इसे तुरंत विपक्ष ने लपक लिया और मीडिया में आने से विदेश में इसका बुरा असर पड़ता है फिर अमेरिका के राष्ट्रपति कहेंगे मैंने ही इशतीफा दिलाया, ऐ बात सही है। ऑपरेशन सिंदूर में सेना के हिसाब से चलना चाहिए लेकिन ट्रम्प कहाँ से सीजफायर का ऐलान किये ऐ सही नहीं है क्योंकि अमेरिका भारत क़ो कभी अपना सच्चा दोश्त नहीं माना है यदि ऐसा होता तो अमेरिका में बसे भारतीय नागरिक जो डंकी रुट या वीसा रद्द होने पर उसक़ो इसतरह हथकड़ी पहना कर गुरू के पावन भूमि अमृतसर में कार्गो प्लेन में नहीं भेजता भारत में भी बहुत से लोग अवैध रूप से पकड़े जाते हैं लेकिन उन्हें उस तरह नहीं भेजा जाता है पाकिश्तान का सपोर्ट अमेरिका करता है।

उसे लोन दिलाया और इतना तो समझो की उसके पास अधिकतर फाइटरजेट अमेरिका ने ही दिए है और वो भी इस तरह की आतंकवादी क़ो ख़त्म करने के लिए, जो भारत के खिलाफ युद्ध में इशतेमाल करता है यही बात अगर रूस के राष्ट्रपति पुतिन कहे होते तो इतनी नाराजगी नहीं होता क्योंकि रूस भारत का अपना सगा भाई जैसा है।

उसने कभी पाकिश्तान के सेना प्रमुख आसीर मुनीर क़ो लंच पर नहीं बुलाया ब्रह्मोस मिशायल भारत और रूस का मिला जुला मिसायल तकनिकी है और आप इतिहास उठाकर देखें तो रूस अपना बड़ा भाई जैसा देश नजर आएगा चाहे वो हथियार या अन्य क्षेत्र में विकास क़ो देखें लेकिन ऐसा क्या हुआ कि उनसे हमारे रिश्ते सही नहीं बन पाये इसे गंभीरता से लेना चाहिए दो नाव पर सवार नहीं किया जा सकता अतः रूस का साथ ही भारत के लिए सबसे बेहतर है।

क्योंकि वो कभी भारत में सभ्य तरीके से बात करता है और दादागिरी नहीं दिखाता है पोखरण -2 परमाणु परीक्षण से लेकर भारत पाकिश्तान युद्ध जो स्व इंदिरा गाँधी के समय में लड़ा गया।

उस समय वर्तमान सरकार के साथ था रूस, रूस का हर मामलों में भारत से हमेशा एक मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध रहा है जिससे सेना का मनोबल बढ़ा है अतः हमें इस सम्बन्ध में बहुत समझदारी से काम लेना चाहिए देश सर्वोपरि है और सेना का मनोबल कभी टूटे नहीं और अमेरिका का भारत के आंतरिक मामलों में दखल देना देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि उसने हमें भाई की दृश्टि से नहीं व्यापार की दृश्टिकोण से देखा है।

सेना के अपने तरह से काम करने देने की पूर्ण आजादी मिले और देशहित में निर्णय हो वो तो किसी समय तत्कालीन रक्षा मंत्री स्व मनोहर परिकर का रूस से ख़रीदा गया एस 400 डिफेन्स सिस्टम था कि दुश्मन के अस्त्र क़ो हवा में ही मार गिराया अतः गलत गलत ही होता है और लोग उसी क़ो याद करते हैं जो देश सेवा की भावना से काम करता है। अब आपको निर्णय करना है देश के लिए रूस का साथ रहना है या अमेरिका के साथ जहाँ धोखा ही धोखा है और बारबोलापन है।

रूस ने इसपर क़ोई प्रतिक्रिया नहीं दि क्योंकि उसे यूक्रेन से लड़ रहा है जिसमें वो अकेले नाटो से अपरोक्ष रूप से लड़ रहा है ऐ उसका आंतरिक मामला है अतः हमें या तो साथ देना चाहिए या चुप रहकर उसका हाल चाल पूछना चाहिए। यूक्रेण युद्ध के लिए वहाँ के राष्ट्रपति जिलेस्की जिम्मेदार है इसलिए वहाँ अब उसके खिलाफ आवाज़ उठाना चालू हो गई। अतः भारत देश के लिए रूस का योगदान अहम है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन।सी।आर। प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www lncrtoday lin **ई-मेल**: todayncr@gmail।com >> ncrtoday@hotmail।com **RNI**-UPHIN/2009/30721

नाली की खुदाई में मिले सोने के सिक्के

✵ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✵। थाना क्वार्सी क्षेत्र के गांव बरहेती में एक अनोखी घटना सामने आई। नाली निर्माण के लिए हो रही खुदाई के दौरान बड़ी मात्रा में सोने के सिक्के मिले हैं। ग्रामीणों के अनुसार, जब नाली की खुदाई चल रही थी, तब मिट्टी में से सोने और चांदी के सिक्के तथा सुरमेदानी जैसी वस्तुएं निकलीं। मजदूरों ने इनमें से 11 सोने के सिक्के ग्राम प्रधान को सौंप दिए। ग्राम प्रधान ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को उन्होंने सभी 11 सिक्के सौंप दिए। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ और सिक्के भी मिले थे, जिन्हें मजदूरों ने आपस में बांट लिया। एक मजदूर का कहना है कि वह खुदाई शुरू होने के समय ही बेहोश हो गया था। उसे नहीं पता कि वहां क्या मिला और क्या हुआ। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है और प्राप्त सिक्कों के ऐतिहासिक महत्व का पता लगाने की कोशिश कर रही है। इस तरह के पुरातात्विक महत्व के सामान मिलने से क्षेत्र में काफी उत्सुकता है।

तीन छात्रों ने यूजीसी नेट व जेआरएफ में सफलता हासिल की

✵ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✵। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विदेशी भाषाओं विभाग के फ्रेंच अनुभाग के तीन छात्रों ने प्रतिष्ठित यूजीसी नेट एवं जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण कर विभाग का नाम रोशन किया है। सुहैब खान और मोहम्मद अहमद जो फ्रेंच शिक्षक डॉ. सावन कुमार सिंह के निर्देशन में पीएचडी. शोधार्थी हैं, ने क्रमशः यूजीसी नेट-जेआरएफ और यूजीसी नेट परीक्षा पास की है। इसके अतिरिक्त, एम.ए. फ्रेंच तृतीय सेमेस्टर के छात्र अब्दुल रहमान ने भी यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विभागाध्यक्ष प्रो. आफताब आलम ने छात्रों को बधाई देते हुए उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता न केवल छात्रों की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि विभाग की शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध पर केंद्रित दृष्टिकोण का प्रमाण भी है।

तमंचा कारतूस सहित अभियुक्त गिरफ्तार

✵ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✵। जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना गभाना पुलिस ने एक शातिर अभियुक्त अरविन्द कुमार पुत्र रमेश चन्द निवासी ग्राम कलुआ थाना गभाना जनपद अलीगढ़ को एक तमंचा 315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 के साथ ग्राम कलुआ पुलिया से गिरफ्तार की ओर से गिरफ्तार किया।

नगर निगम के 90 वार्डों में जीआईएस सर्वेक्षण की होगी शुरुआत

✵ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✵। नगर आयुक्त द्वारा शहर में स्मार्ट गवर्नेंस और पारदर्शिता को सुदृढ़ करने हेतु एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। अब भवन स्वामियों को सम्पत्ति कर एवं जलकल बिलों में किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए बार-बार नगर निगम कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सभी संशोधन अब घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से कराए जा सकेंगे। इतना ही नहीं, डुप्लीकेट बिल जारी होने की समस्या का समाधान भी अब घर बैठे ही उपलब्ध होगा, जिससे नागरिकों को त्वरित और सुविधाजनक सेवाएं मिलेंगी। इसके अतिरिक्त, व्हाट्सएप्प मोबाइल नंबर और ई-मेल के माध्यम से सम्पत्ति कर, जल मूल्य एवं सीवर शुल्क संबंधी सूचनाएं भेजी जाएंगी, ताकि भवन स्वामी घर बैठे समय पर और बिना किसी झंझट के अपने बकाया का भुगतान कर सकें। नगर निगम सीमा अंतर्गत आने वाले समस्त '90 वार्डों में जीआईएस आधारित संपत्ति सर्वेक्षण' किया जाएगा। इस कार्य हेतु एचडीएफसी बैंक को नामित किया गया है, जो एसओपी के तहत सम्पूर्ण सर्वेक्षण कार्य निष्पादित करेगा। यह उल्लेखनीय है कि नगर निगम अलीगढ़ द्वारा एचडीएफसी बैंक को इस कार्य के लिए कोई धनराशि देनी नहीं होगी। बैंक द्वारा यह कार्य सीएसआर अथवा टेक्निकल पार्टनरशिप के अंतर्गत किया जा रहा है, जो प्रशासनिक दक्षता का उदाहरण है। वार्ड बेस मैप समस्त 90 वार्डों का डिजिटल बेस मैप तैयार' किया जाएगा जो प्रशासनिक योजना, कर निर्धारण और शहरी प्रबंधन में सहायक होगा। यह परियोजना न केवल अलीगढ़ की सम्पत्तियों का समुचित डिजिटल दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करेगी, बल्कि भविष्य में 'संपत्ति कर वसूली, योजनाबद्ध विकास, तथा 'ई-गवर्नेंस सिस्टम' को मजबूती प्रदान करेगी।

कारोबारी की कार में हत्या, शूटर ने सामने से गोलियां मारीं

✵ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✵

थाना हरदुआगंज क्षेत्र में शुक्रवार को भाजपा सांसद सतीश गौतम के करीबी ट्रांसपोर्टर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बाइक सवारों ने उनकी क्रेटा कार को घेर लिया, इसके बाद ताबड़तोड़ चार गोलियां मारीं। कार के शीशे को चीरते हुए गोलियां उनके सिर और सीने में जा लगीं।

ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने घायल प्रॉपर्टी डीलर सोनू चौधरी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। कार के अंदर से टीम को गोली के चार खोखे मिले। कोडरा गांव के रहने वाले सोनू चौधरी (40) प्रॉपर्टी डीलर के साथ ट्रांसपोर्टर भी थे। वह प्रधानी के चुनाव की तैयारी कर रहे थे। शुक्रवार सुबह 10 बजे वह अपनी व्हाइट क्रेटा कार से अलीगढ़ जा रहे थे। अभी घर से करीब 400 मीटर दूर गांव के बाहर पहुंचे थे। तभी रास्ते में बाइक सवार बदमाशों ने उनकी कार को घेर लिया। इसके बाद उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। चार गोलियां कार के शीशे को चीरते हुए सोनू चौधरी के सीने में जा धंसीं। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गांव वालों के मुताबिक, बदमाशों में से एक हेलमेट लगाए हुए था। सूचना पर पहुंची पुलिस आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने सोनू चौधरी को मृत घोषित कर दिया।

भाई रिंकू चौधरी ने बताया, हम चार भाई थे। सबसे बड़े देवेंद्र हैं। मैं सबसे छोटा हूं। दूसरे नंबर के भाई राजेश का 10 साल पहले मर्डर हो गया था। उन्हें भी गोली मारी गई थी। सोनू चौधरी 40 वर्षीय तीसरे नंबर के भाई थे। उन्हें करीब 4-5 गोलियां लगी हैं। उनके सिर में भी गोली लगी है। घटनास्थल से बिल्डिंग मटेरियल दुकानदार ने हम लोगों को फोन किया। हम लोग मौके पर पहुंचे। तब भाई कार के अंदर लहूलुहान अवस्था में थे। हम लोग उन्हें मेडिकल कॉलेज लेकर गए। तब उनकी सांस चल रही थी। मगर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सोनू की शादी हो चुकी है। उनके 2 बेटे हैं। उनकी किसी से कोई रंजिश नहीं थी। प्रॉपर्टी डीलर सोनू चौधरी को शूटरों ने कार के सामने से गोली मारी। कार के सामने के शीशे को चीरती हुई 4 गोलियां उनके सीने में लगीं। यानी एक भी गोली मिस नहीं हुई। सभी टारगेट पर लगीं। इस तरह से वारदात केवल प्रोफेशनल शूटर कर सकते हैं। पुलिस इस एंगल से भी जांच करने में जुटी है कि हत्या कहीं सुपारी देकर तो नहीं करवाई गई। सोनू चौधरी प्रधानी की तैयारी भी कर रहे थे, इसे लेकर राजनीतिक रंजिश भी हो सकती है। पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। कार के सामने के शीशे पर ड्राइविंग सीट की ओर चार छेद साफ दिख रहे हैं। इससे साफ है कि बदमाशों ने सोनू चौधरी पर सामने से फायर किया। टीम ने मृतक की कार से गोली के चार खोखे भी बरामद किए हैं।

पुलिस क्षेत्राधिकारी धनंजय सिंह का कहना है कि सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कुछ संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज व संदिग्ध नंबरों की सीडीआर जांच के लिए निकलवाई जा रही है। घटना के खुलासे के लिए तीन टीमें गठित की गई हैं।

किन्नरों ने हाईवे पर किया प्रदर्शन किया पुलिसकर्मियों पर अभद्रता का आरोप

✵ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✵

शुक्रवार की सुबह किन्नरों ने जीटी रोड स्थित एटा चुंगी चौराहे पर नग्न होकर जाम लगा दिया और जमकर हंगामा किया। पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। आरोप है कि एक होटल में उनके एक साथी को कोल्ड ड्रिंक में शराब पिलाकर नकदी व चेन लूट ली। जिसकी शिकायत करने थाना महुआखेड़ा गए।

वहां पुलिसकर्मियों ने उनकी शिकायत दर्ज नहीं की। उल्टा चाकू से वार कर घायल कर दिया। जाम और हंगामे की सूचना पर कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। शिकायत पर कार्रवाई की बात कहीं, तब कहीं जाकर तीन घण्टे बाद जाम खुला।

वहीं, सीओ का कहना है कि जाम लगाने वालों पर भी मुकदमा दर्ज किया जाएगा। किन्नरों ने बताया कि गुरुवार को वह गाजियाबाद एक सम्मेलन में शामिल होने गए थे। वहां से उनका साथी और कार ड्राइवर अतुल शर्मा वापस अलीगढ़ रात्रि में ही आ रहा था। यहां एटा चुंगी चौराहा के पास होटल (ओयो) में गया। खाना खाया। आरोप है कि होटल में कोल्ड ड्रिंक में शराब पिलाकर धुत कर दिया। उसकी जेब में रखे 30 हजार रुपये, चेन व अंगूठी लूट ली। इसकी जानकारी अतुल ने फोन के माध्यम से अपने साथियों को दी। देर रात्रि वे अलीगढ़ आ गए।

अतुल को साथ लेकर थाना महुआखेड़ा गए। आरोप है कि पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज नहीं की। कह दिया कि पेन नहीं है। चाकू मारकर घायल भी कर दिया। इसके बाद किन्नर जीटी रोड स्थित एटा चुंगी चौराहे पर आ गए। उन्होंने अपने अन्य साथियों को बुला लिया। रोड जाम कर हंगामा शुरू कर दिया। महुआखेड़ा थाना पुलिस के खिलाफ नारे बाजी शुरू कर दी। कपड़े उतार कर नग्न हो गए। सड़क पर भारी जाम लग गया। वाहनों की लम्बी लम्बी लाइन लग गई। राहगीरों का कहना है कि किन्नरों ने वाहनों की चाबी निकाल ली।

विश्व शांति कायम करने में अहिंसा और अनेकांतवाद की विशेष भूमिका

✵ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✵

मंगलायतन विश्वविद्यालय में वीर शासन जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन मंगलायतन विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग) व तीर्थधाम मंगलायतन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय ''विश्व शांति में अहिंसा और अनेकांत की उपयोगिता'' था। जो वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में अत्यंत प्रासंगिक है। गोष्ठी का उद्देश्य भगवान महावीर के उपदेशों अहिंसा व अनेकांत की विचारधारा को समझना था। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

स्वागत भाषण में कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गौरव की बात है कि संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के सहयोग से राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए मंगलायतन विश्वविद्यालय का चयन किया गया। मुख्य वक्ता लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. वीर सागर जैन ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में विश्व शांति कायम करने में अहिंसा और अनेकांतवाद की विशेष भूमिका है। जब हम दूसरे की भावना को नहीं समझते हैं तो हिंसा बढ़ती है।

मुख्य अतिथि बनारस विश्वविद्यालय के जैन फिलोस्फी के डीन प्रो. प्रद्युम्न शाह ने कहा कि जैन जीवन शैली में विश्व कल्याण की भावना निहित है। उन्होंने कहा कि विश्व शांति में अहिंसा और अनेकांत की उपयोगिता से दुनिया के देश आपसी तनाव और युद्धों से बच सकते हैं। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए मंविवि के कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने कहा कि इस संगोष्ठी में अहम विषयों पर विचार-विमर्श हुए। विश्व शांति में अहिंसा और अनेकांत की उपयोगिता पर इस तरह के विचार जीवित रहने चाहिए।

शक्ति दीदी अन्तर्गत महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

फोटो नं0 110

✵ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✵

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु शक्ति दीदी के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के

किरन देवी की 34वीं पुण्यतिथि पर समाज सेवियों को किया सम्मानित

✵ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✵

डॉ शंकर लाल शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट रजिस्टर्ड कार्य क्षेत्र संपूर्ण भारत, अलीगढ़ की प्रेरणा स्रोत प्रमुख समाज सेविका स्वर्गीय श्रीमती किरन देवी की 34वीं पुण्यतिथि पर उपस्थितजनों द्वारा उनके छवि चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए गए तथा समाजसेवियों एवं बुजुर्गों को भी सम्मानित किया। द्वितीय चरण में सासनी गेट एडीए कॉलोनी स्थित चंद्रशेखर पार्क में उनके परिवारीजनों द्वारा वृक्षारोपण किया गया तथा इस अवसर पर प्रमुख रूप से कॉलोनी के अध्यक्ष उदयराज सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी को प्रसाद वितरण किया।

संरक्षक राकेश कुमार शर्मा ने का बताया कि श्रीमती किरन देवी अंतिम सांस तक समाज सेवा करती रहीं। संस्थापक अध्यक्ष राजेश गौड़ ने अपने संबोधन में बताया की वे अनपढ़ होते हुए भी नसों का अच्छा ज्ञान लगती थी इतना ज्ञान शायद किसी डॉक्टर को भी ना हो तथा कहा कि वृक्ष धरा का भूषण होते हैं। समारोह में संरक्षिका माया देवी, संरक्षक राकेश कुमार शर्मा, संस्थापक अध्यक्ष राजेश गौड़, महामंत्री बेबी रानी, कोषाध्यक्ष सौरभ शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ई0जी0 प्रभात कुमार, उपाध्यक्ष आकाश पंडित, देवेश शर्मा, अर्चना शर्मा, मोहित, उपाध्यक्ष सीए रजत शर्मा, सीए यशी माहेश्वरी, विजेता पंडित, साक्षी पंडित, विनायक गौड़, अनय गौतम, भगवान गौड़, पवन गौड़, वाई के शर्मा, प्रशांत उपाध्याय, राहुल गौतम, विपिन गौड़ आदि उपस्थित रहे।

चोरी के मोबाईल फोन व खिलौना पिस्टल सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

✵ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✵

जनपद में अपराध की रोकथाम व चोरी के सामान को खरीदने व बेचने वाले शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु जनपद में चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना अकराबाद पुलिस द्वारा दो अभियुक्त मोहित पुत्र धर्म सिंह निवासी खुर्रमपुर थाना विजयगढ़ जनपद अलीगढ़ व प्रीतेश पुत्र जगवीर सिंह निवासी भटौली थाना विजयगढ़ अलीगढ़ को चोरी के खरीदे हुए दो मोबाइल फोन व एक सफेद धातु की खिलौना पिस्टल के साथ नानऊ से सासनी रोड से हाइवे सर्विसरोड के टी पोइंट के पास गिरफ्तार किया।

अभियुक्तगण से पूछताछ की गयी तो दोनो ने बताया कि यह दोनो मोबाईल चोरी के है, हमने यह दोनो मोबाईल रास्ते में जाने वाले एक व्यक्ति से 500 रुपये में खरीदे थे, उस व्यक्ति ने कहा था कि यह मोबाईल चोरी के है, हमने लालच में आकर यह मोबाईल खरीद लिये थे।

साइबर सुरक्षा पर मर्चेंट्स चैंबर में सत्र का आयोजन, वक्ता बोले- हर दिन ठग अपनाते हैं नए तरीके

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में मर्चेंट्स चैंबर ऑफ उत्तर प्रदेश की सूचना एवं प्रौद्योगिकी समिति की ओर से गुरुवार को चैंबर सभागार में सत्र का आयोजन किया गया। इसका विषय साइबर सुरक्षा, डिजिटल अरेस्ट और धोखाधड़ी के व्यावहारिक पहलू था। वक्ताओं ने कहा कि साइबर अपराध व्यक्तिगत, व्यावसायिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। मुख्य वक्ता कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग आईआईटी के प्रोफेसर संदीप के सक्सेना ने बताया कि साइबर ठग हर दिन ठगी करने के लिए नए-नए तरीके अपनाते हैं। मौजूदा समय में बुजुर्गों, पेशेवरों को निशाना बनाया जा रहा है। हालांकि इनसे बचने का सही तरीका जागरूकता है। कभी भी ओटीपी, बैंक से जुड़ी व्यक्तिगत जानकारी किसी को भी साझा न करें।

साइबर सुरक्षा के प्रति होना होगा सजग

चैंबर के पूर्व अध्यक्ष सीए मुकुल टंडन और समिति के अध्यक्ष सीए अनिल के सक्सेना ने कहा कि डिजिटल लेन-देन और ऑनलाइन गतिविधियों की बढ़ती प्रवृत्ति के साथ साइबर सुरक्षा के प्रति सजग होना होगा। यहां पर डॉ. आईएम रोहतगी, राज कुमार अग्रवाल, छवि जैन, सुधींद्र कुमार जैन, मनु अग्रवाल, अमित पोद्दार, अतुल कनोडिया, अनिल अग्रवाल, राजीव मेहरोत्रा, सुशील शर्मा, नरेंद्र डालमिया, मनीष कटारिया, अतुल मेहरोत्रा, राहुल चंद्रा आदि थे।

आठ माह के बेटे को उल्टा लटकाकर गांव में घुमा पिता

बिना कसूर मिली सजा

रामपुर , एजेंसी। यूपी के रामपुर स्थित अजीमनगर थाना क्षेत्र के करनपुर गांव में एक पिता ने अमानवीय हरकत करते हुए अपने आठ माह के मासूम बेटे को उल्टा लटकाकर गांव में घुमा दिया। पत्नी से विवाद के बाद वह बच्चे को हवा में लहराते हुए पूरे गांव में घूमता रहा। इस दिल दहलाने वाले दृश्य का एक वीडियो भी वायरल हो गया, जिसे देखकर लोग सन्न रह गए।

जानकारी के अनुसार, थाना अजीमनगर के गांव करनपुर निवासी संजू का अपनी पत्नी सुमन से विवाद चल रहा था। सुमन के भाई शिव चरन ने बताया कि लगभग दो साल पहले उसकी बहन सुमन का विवाह संजू से हुआ था। विवाह के बाद से ही वह दहेज के लिए सुमन को प्रताड़ित करता था। कुछ दिन पहले मारपीट कर ससुराल से निकाले जाने के बाद पंचायत के माध्यम से सुमन फिर से अपने ससुराल लौटी थी।

शिव चरन के अनुसार, 19 जुलाई को संजू ने फिर से पत्नी को पीटा। जब सुमन ने अपने मायके वालों को फोन कर सूचना दी, तो संजू आगबबूला हो गया और सुमन को घर से धक्के मारकर बाहर निकाल दिया। इसके बाद उसने अपने आठ माह के बेटे को उल्टा लटका कर हवा में लहराते हुए पूरे गांव में घुमाया। इस दौरान बच्चा लगातार रोता रहा और ग्रामीण तमाशबीन बने रहे, किसी की भी उसे रोकने की हिम्मत नहीं हुई।

किसी तरह छीना संजू से बच्चा - करीब आधे घंटे तक यह अमानवीय नजारा गांव में चलता रहा। बाद में संजू के परिजनों ने किसी तरह बच्चे को उससे छीना। इसी दौरान महिला का भाई भी गांव पहुंचा और वह अपनी बहन व मासूम को लेकर मिलकखानम थाना क्षेत्र के गांव शादीनगर हजीरा चला गया।

संजू ने ससुराल वालों पर लगाया पीटने का आरोप- सूचना पर आरोपी संजू भी वहां पहुंचा और हंगामा करने लगा। मिलकखानम थानाध्यक्ष निशा खटाना के अनुसार, संजू थाने पहुंचा और ससुराल पक्ष पर मारपीट का आरोप लगाया, लेकिन जब जांच की गई तो पूरे मामले का सच सामने आ गया। पुलिस ने 22 जुलाई को उसे गिरफ्तार कर शांति भंग की धारा में एसडीएम कोर्ट भेजा, जहां से उसे जमानत दे दी गई।

पुलिस की कार्रवाई से गांव वाले नाखुश- ग्रामीणों का कहना है कि सवाल यह है कि ऐसे अमानवीय कृत्य करने वाले आरोपी के खिलाफ कड़ी धाराओं में कार्रवाई क्यों नहीं की गई।

मिर्जापुर में दर्दनाक हादसा

दो बाइकों की जोरदार टक्कर में दोनों चालकों की मौत, आठ साल की बच्ची घायल

मिर्जापुर , एजेंसी। मिर्जापुर जिले के चुनार कोतवाली क्षेत्र के मूंदीपुर गांव स्थित मजार के पास भीषण हादसा हुआ। तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात बाइक सवार ने दूसरी बाइक में टक्कर मार दी। दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

कोतवाली क्षेत्र के पुरनपट्टी गांव निवासी (42) अतुल कुमार सिंह उर्फ रामु अपनी पुत्री अदिति (08) को लेकर दवा लेने तम्मनपट्टी गांव गए थे। वहां से दवा लेकर वापस घर आ रहे थे। जैसे ही वे मूंदीपुर गांव स्थित मजार के पास पहुंचे तभी सामने से तेज गति से आ रहे अज्ञात बाइक सवार ने बाइक में टक्कर मार दी।

हादसे में दोनों बाइक सवार और साथ बैठी पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गई। जिन्हें चुनार पुलिस ने गंभीर हालत देख ट्रामा सेंटर वाराणसी भेज दिया। वहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने अतुल कुमार सिंह व अज्ञात बाइक सवार को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल अदिति का उपचार चल रहा है। मृतक को एक पुत्र व एक पुत्री है। वह चार भाइयों में दूसरे नंबर पर था।

ऐशबाग की मोतीझील के पास सात करोड़ से बनेगा पार्क

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के ऐशबाग में 11 हेक्टेयर में फैली मोतीझील के पास जल्द सात करोड़ रुपये की लागत से मोती पार्क बनाया जाएगा। इसमें कियोस्क, वॉक-वे, पार्किंग व बैठने के लिए विशेष स्थान बनाए जाएंगे। जमुना झील व मोतीझील में सीधे जाने वाले सीवेज को शोधित कर छोड़ा जाएगा।

मंडलायुक्त व एलडीए चेयरपर्सन डॉ. रोशन जैकब ने बृहस्पतिवार को एलडीए के पारिजात सभागार में बैठक कर परियोजनाओं को मंजूरी दी। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि जमुना व मोतीझील से कब्जे हटाकर फेंसिंग व पिलर बनाने का काम कराया जा रहा है। जमुना झील के पास अटल पार्क का काम पूरा हो चुका है। इसी के तर्ज पर मोतीझील के पास मोती पार्क बनाने का प्रस्ताव तैयार कराया गया है। जमुना झील व मोती झील के पास कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड की भी व्यवस्था है। सीवेज को ट्रीट करके झील में साफ पानी छोड़ा जा सकेगा।

मंडलायुक्त ने कहा कि ऐशबाग रोड की ओर से पार्क में जाने के लिए रास्ता तैयार कराया जाए। उन्होंने कुकरैल नदी के सुंदरीकरण प्रोजेक्ट की भी समीक्षा की। कहा कि भीखमपुर में अतिक्रमण मुक्त कराई गई भूमि को सौमित्र वन की तरह विकसित किया जाए। इसकी जिम्मेदारी एलडीए को सौंपी गई है। इसमें वन विभाग सहयोग देगा।

चरक चौराहा भी होगा रिडिजाइन- चौक स्थित चरक चौराहे को री-डिजाइन करके ट्रैफिक जाम की समस्या को दूर किया जाएगा। मंडलायुक्त ने नगर निगम व पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को कंसल्टेंट के साथ जॉइंट सर्वे करके रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए। रोटरी को बीच में शिफ्ट करते हुए सड़क चौड़ीकरण करने के लिए कहा गया। नींबू पार्क से चरक चौराहे की ओर आने वाली सड़क का चौड़ीकरण भी जल्दी कराया जाएगा।

हजरतगंज का रंग-रूप फाइनल

हजरतगंज में भवनों, साइनेज, स्ट्रीट लाइटों, फर्नीचर व बोलार्ड आदि के रंग व डिजाइन फाइनल कर दिए गए हैं। व्यापारियों को रेलिंग, लाइटों, बेंच, साइनेज बोर्ड आदि के सैंपल भी दिखाए गए। बैठक में व्यापारियों ने सीवर व पानी के कनेक्शन की समस्या को रखा। मंडलायुक्त ने नगर आयुक्त को इनका समाधान करने के लिए कहा।

दो बाइकों की भिड़ंत, पति-पत्नी सहित चार लोग गंभीर घायल

✵ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✵

गांव विधिपुर के पास दो बाइक की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइक पर सवार पति-पत्नी सहित चार व्यक्ति गम्भीर रूप से घायल हो गए।

घटनास्थल पर राहगीरों की भीड़ जुट गई। एम्बुलेंस की मदद से सभी को सरकार भिजवाया गया। जहां से उनकी हालत नाजुक देख डॉक्टर ने सभी को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहीं, हादसे की खबर पर घायलों के परिजन आ गए।

जानकारी के अनुसार थाना अतरौली इलाके के गांव जामुना के रहने वाले रायसिंह पुत्र कल्लू सिंह, ओमप्रकाश पुत्र बुद्धा सिंह किसान हैं। दोनों बाइक से लेने के लिए घर से निकले थे। रास्ते में गांव विधि पुर के पास उनकी बाइक पहुंची थी। तभी सामने से आई बाइक से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में रायसिंह व ओमप्रकाश घायल हो गए।

दूसरी बाइक पर सवार नत्थू सिंह व उनकी पत्नी कुसुमा सिंह निवासीगण बुरानपुर डिबाई (बुलन्दशहर) भी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। राहगीरों के अलावा ग्रामीण एकत्र हो गए। घायलों को सड़क किनारे किया। साथ ही क्षतिग्रस्त बाइकों को भी हटाया। हादसे की खबर पर एम्बुलेंस मौके पर आ गई। पति-पत्नी सहित चारों घायलों को उपचार के लिए सीएचसी अतरौली ले जाया गया। डॉक्टर के मुताबिक, घायलों की हालत गंभीर थी।

China Open:

सिंधू पर जीत दर्ज करने वाली 17 साल की उन्नति को क्वार्टर फाइनल में मिली हार, यामागुची ने किया बाहर

चांग्झू (चीन), एजेंसी। पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गई। भारत की उभरती बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड्डा का चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में शानदार सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान की विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया। भारत की उम्मीद अब सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी है जो क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के यू सिन ओंग और ई यी तेओ का सामना करेगी। पिछले दौर में अपनी आदर्श खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को हराने वाली 17 वर्षीय हुड्डा क्वार्टर फाइनल में जापान की खिलाड़ी से 33 मिनट तक चले मैच में 16-21, 12-21 से हार गई। उन्नति के बाहर होने के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का एकल में अभियान समाप्त हो गया। पहले गेम में हूडा ने यामागुची को बराबर की टक्कर दी लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाई और जापान की खिलाड़ी ने लगातार पांच अंक बनाकर यह गेम अपने नाम कर दिया। इस गेम में हुड्डा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लगातार तीन अंक लेना था। दूसरे गेम में भी यही कहानी दोहराई गई। भारतीय खिलाड़ी ने बीच में थोड़ी देर के लिए चुनौती पेश की और लगातार चार अंक हासिल किए लेकिन यामागुची ने लगातार छह अंक बनाकर दूसरा गेम 21-12 से अपने नाम करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

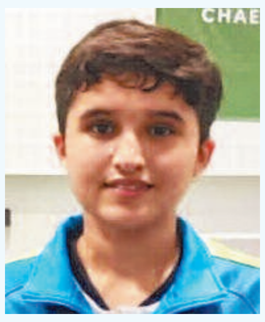

जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने बताया टेस्ट में जीतने का तरीका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के बचपन के कोच ज्वाला सिंह ने मैनचेस्टर टेस्ट और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में अब तक भारत के प्रदर्शन का आलोचनात्मक मूल्यांकन किया है और सुझाव दिया है कि दो-तीन बल्लेबाजों को लंबी पारियां खेलनी चाहिए, जबकि मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों को टीम के समग्र प्रदर्शन में और योगदान देना होगा। अब तक शीर्ष क्रम के योगदान पर विचार करते हुए सिंह ने साई सुदर्शन, ऋषभ पंत और जायसवाल के प्रयासों की सराहना की, लेकिन एक लंबी, मैच-परिभाषित पारी की कमी पर भी ध्यान दिलाया, जो उनके अनुसार टेस्ट मैच जीतने के लिए महत्वपूर्ण है। सिंह ने कहा, अगर आप सलामी बल्लेबाजों पर गौर करें, तो साई सुदर्शन ने कुछ रन बनाए और चोट के बावजूद ऋषभ पंत ने भी योगदान दिया। यशस्वी ने रन बनाए और कुछ अन्य बल्लेबाजों ने छोटी लेकिन उपयोगी पारियां खेलीं। लेकिन अगर आपको टेस्ट मैच जीतना है, तो एक या दो खिलाड़ियों को बड़ी और लंबी पारियां खेलनी होंगी।

उन्होंने कहा, पहले टेस्ट मैच में हमने जो गलतियां कीं, वे तीसरे टेस्ट में भी दोहराई गईं। हमें मध्य और निचले क्रम से और योगदान की जरूरत थी। हमने दूसरा टेस्ट मुख्य रूप से शुभमन गिल के बड़े स्कोर की बदौलत जीता। उनकी पारी ने उस जीत को सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। बल्लेबाजों को यहां भी जिम्मेदारी लेने की जरूरत थी, लेकिन दुर्भाग्य से उन्होंने ऐसा नहीं किया।

इंग्लैंड में तिलक वर्मा का दूसरा शतक, 15 छक्के-चौके मारे, दिग्गज पाकिस्तानी बॉलर की भी धुनाई

नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक वर्मा इस समय इंग्लैंड में खूब रन बना रहे हैं. टीम इंडिया का ये बल्लेबाज अब तक दो शतक ठोक चुका है. इस दौरान उसने खूब चौके और छक्के लगाए हैं. जहां एक तरफ भारतीय टीम इंग्लैड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने में बिजी है तो वहीं तिलक वर्मा इंग्लैंड में काउंटी चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन से गेंदबाजों के नाक में दम किए हुए हैं. काउंटी चैंपियनशिप 2025 में हैंपशर की ओर से खेलते हुए तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ के 112 रनों की शानदार पारी खेली, जिसके दम पर हैंपशर ने मैच में जबरदस्त वापसी की है. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के दिग्गज गेंदबाज की खूब धुनाई की.

काउंटी चैंपियनशिप 2025 के डिवीजन-1 के 47वें मुकाबले में हैंपशर के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने नॉटिंघमशर के खिलाफ शानदार बैटिंग की. उन्होंने 256 गेंदों में 13 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 112 रनों की पारी खेली. इस दौरान उन्होंने पाकिस्तानी गेंदबाज मोहम्मद अब्बास की गेंदों पर खूब रन बनाए. उनके इस शानदार पारी के दम पर हैंपशर ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 367 रन बना लिए हैं. इससे पहले नॉटिंघमशर ने अपनी पहली पारी 8 विकेट पर 578 रन बनाकर घोषित कर दी थी. हैंपशर अभी भी नॉटिंघमशर से 211 रन पीछे हैं. इस मैच में तिलक वर्मा जब बल्लेबाजी करने के लिए उतरे तो उस समय टीम का स्कोर दो विकेट पर 111 रन था. इसके बाद उन्होंने संभल कर खेलना शुरू किया और एक छोर संभाले रखा. दूसरी तरफ 173 के स्कोर पर हैंपशर के चार विकेट गिए गए, लेकिन इसके बाद तिलक वर्मा कप्तान बिन ब्राउन (28 रन) के साथ मिलकर पारी को संभाला.

तिलक ने एक छोर संभाले रखा

तिलक और ब्राउन ने पांचवें विकेट के लिए 58 रनों की साझेदारी की. ब्राउन के आउट होने के बाद फेलिक्स ऑर्गन (नाबाद 71 रन) तिलक का साथ देने के लिए आए. दोनों बल्लेबाजों ने छठे विकेट के लिए 126 रन जोड़े. इस दौरान तिलक वर्मा ने इस सीजन में अपना दूसरा शतक पूरा किया. इस दौरान उन्होंने नॉटिघमशर के गेंदबाजों मोहम्मद अब्बास, जॉश टंग, ब्रेट हटन और फरहान अहमद के खिलाफ खूब रन बनाए. इस पहले उन्होंने अपने डेब्यू मैच में शतक ठोका था.

एशिया कप: एक ही ग्रुप में होने की संभावना, एशिया कप 2025 भारत की मेजबानी में यूएई में खेला जाएगा

भारत-पाकिस्तान मैच सितंबर में हो सकता है

ढाका, एजेंसी। यह फोटो चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए मैच की है। पाकिस्तान में हुए इस टूर्नामेंट में भारत के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल में खेले गए थे। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबला फिर देखने को मिल सकता है। ये मैच एशिया कप 2025 में खेले जाएंगे। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत को सौंपी है। टूर्नामेंट सितंबर में यूएई में खेला जाएगा।

यह फैसला गुरुवार को ढाका में आयोजित एसीसी की बैठक में लिया गया, जिसमें सभी 25 सदस्य देशों ने हिस्सा लिया। बीसीसीआई की ओर से उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला वर्चुअली जुड़े। बीसीसीआई के एक अफसर ने बताया कि भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा। भारत और पाकने आपसी सहमति से 2027 तक सभी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में न्यूट्रल वेन्यू पर खेलने का फैसला किया है। ब्रॉडकास्टर्स व स्पॉन्सर्स की मांग को देखते हुए भारत-पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जा सकता है। इससे 3 मैच होने की संभावना है। पहला लीग स्टेज में, फिर सुपर सिक्स में भी कम से कम एक मुकाबला हो सकता है। यदि दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं, तो तीसरा मुकाबला भी संभव है।

बेंगलुरु भगदड़ मामले में फंसी आरसीबी, कर्नाटक सरकार ने दी केस चलाने की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अब कानूनी पचड़े में बुरी तरह से फंस गई है. टीम की विक्ट्री परेड के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में मची भगदड़ के मामले में कर्नाटक सरकार ने आरसीबी और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है. सरकार ने यह फैसला जांच आयोग की रिपोर्ट के आधार पर लिया है, जिसमें आरसीबी केएससीएऔर आयोजन से जुड़ी डीएनएएंटरटेनमेंट नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड को घटना का जिम्मेदार बताया गया है.

क्या था मामला?

आरसीबी ने 3 जून को आईपीएल 2025 का फाइनल जीतकर इतिहास रचा था. लंबे इंतजार के बाद टीम ने पहली बार खिताब अपने नाम किया था. अगले ही दिन, यानी 4 जून को आरसीबी टीम बेंगलुरु लौटी और एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक भव्य विक्ट्री परेड और समारोह आयोजित किया गया था. इस इवेंट के दौरान भीड़ पर नियंत्रण नहीं हो पाया. जरूरत से ज्यादा टिकट बांट दिए गए थे जिसके चलते स्टेडियम में क्षमता से अधिक लोग पहुंच गए और अव्यवस्था की वजह से भगदड़ मच गई. इस दर्दनाक हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और करीब 50 लोग घायल हो गए थे.

जांच आयोग की रिपोर्ट क्या कहती है?

कर्नाटक सरकार ने इस हादसे के बाद 5 जून को रिटायर्ड जस्टिस जॉन माइकल डीकुन्हा के नेतृत्व में एक एकल सदस्यीय जांच आयोग बनाया था. यह रिपोर्ट हाल ही में सरकार को सौंपी गई, जिसे 24 जुलाई को कर्नाटक कैबिनेट ने स्वीकार कर लिया है. भीड़ नियंत्रण के लिए कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए थे.

अब आगे क्या?

कर्नाटक के कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को कहा है कि सरकार ने जस्टिस डीकुन्हा की रिपोर्ट को मंजूरी दे दी है और अब आरसीबी, केएससीए और इवेंट कंपनी पर आपराधिक मुकदमा चलाया जाएगा.
इसके साथ ही, पुलिस और अन्य सरकारी विभागों की भूमिका की भी जांच होगी, क्योंकि आयोग की रिपोर्ट में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही पर भी सवाल उठे हैं. पाटिल ने आगे कहा की इस रिपोर्ट में घटना के लिए जिम्मेदार सभी संस्थाओ और लोगो के नाम दर्ज है और सभी के खिलाफ पुख्ता जांच की जाएगी.

यश दयाल पर रेप का एक और मामला दर्ज, नाबालिगा ने जयपुर में दर्ज करवाई FIR

जयपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आलोचनाओं से घिरे तेज गेंदबाज यश दयाल पर एक और बलात्कार का मामला दर्ज हो गया है। जयपुर पुलिस ने एक नाबालिग से बलात्कार का आरोप लगाया है। उत्तर प्रदेश के 27 वर्षीय क्रिकेटर पर पहले से ही गाजियाबाद की एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। महिला ने आरोप लगाया है कि दयाल ने 5 साल के रिश्ते के दौरान उससे शादी का वादा करके उसका यौन शोषण किया।

जयपुर के सांगानेर सदर थाने के अनिल जैमन ने बताया कि ताजा स्व्रढ्क्र बुधवार को दर्ज की गई। उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा, यश दयाल के खिलाफ पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम और (भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं के

तहत बलात्कार के लिए एफआईआर दर्ज की गई है। जैमन के अनुसार पीड़िता ने आरोप लगाया है कि खिलाड़ी ने पहली बार 2023 में उसके साथ बलात्कार किया था जब वह 17 साल की थी और इसी साल अप्रैल में सीतापुरा इलाके के एक होटल में भी ऐसा ही हमला हुआ था। एसएसओ ने कहा, उसने आरोप लगाया कि क्रिकेटर ने उसके करियर में मदद और सहयोग का वादा किया था।

उसने इस साल अप्रैल में उससे संपर्क किया जब वह आईपीएल के लिए जयपुर में था और उसे होटल में बुलाया जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ फिर से बलात्कार किया। उन्होंने आगे कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

ऋषभ पंत की इंजरी के बाद ICC कर सकती है नियमों में बदलाव...

सब्स्टीट्यूट प्लेयर करेगा बैटिंग-बॉलिंग!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल ट्रैफर्ड में खेले जा रहे टेस्ट मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को गंभीर चोट लगी. ऋषभ पंत को यह चोट पहले दिन के खेल के दौरान दाएं पैर के अंगूठे में लगी थी, तब वो क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप मारने की कोशिश कर रहे थे. ऋषभ काफी दर्द में दिखे और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा.

हालांकि ऋषभ पंत ने अगले दिन फिर से बल्लेबाजी की और अर्धशतक जड़ने भी कामयाब रहे. हालांकि पंत इस मैच में विकेटकीपिंग करने की हालत में नहीं हैं. ऐसे में उनकी जगह विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी ध्रुव जुरेल निभा रहे हैं. एक बात गौर करने वाली है कि जुरेल सिर्फ कीपिंग कर सकते हैं, वो आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) के नियमानुसार बल्लेबाजी या गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे.

मौजूदा नियमों के तहत अगर कोई खिलाड़ी चोटिल हो जाए तो उसकी जगह आने वाला सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी सिर्फ फील्डिंग कर सकता है, लेकिन वो खिलाड़ी बैटिंग या बॉलिंग नहीं कर सकता. लेकिन यदि खिलाड़ी को सिर या आंख में चोट लगती है और वो कन्कशन टेस्ट में फेल हो जाता है, तो कन्कशन सब्स्टीट्यूट का इस्तेमाल किया जा सकता है. कन्कशन सब्स्टीट्यूट गेंदबाजी, बल्लेबाजी या फील्डिंग कर सकता है.

ओलम्पिक 2036:

भारत को मिलेगी 2036 ओलंपिक की मेजबानी?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) 2036 ओलंपिक की मेजबानी के अधिकार मिलने को लेकर बहुत सकारात्मक है, लेकिन उसे लगता है कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि और भी देश इस दौड़ में शामिल हो रहे हैं।

कतर नवीनतम देश है जिसने खुलासा किया है कि उसने 2036 खेलों की मेजबानी के अधिकारों के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के भविष्य मेजबान आयोग के साथ बातचीत प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह मेजबान देश के चयन से पहले की लंबी प्रक्रिया का पहला कदम है। आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम यह मानना चाहेंगे कि हम बहुत सकारात्मक हैं, लेकिन फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि किसे मेजबानी के अधिकार

मिलेंगे, क्योंकि अब भी कई देश इसमें शामिल हो रहे हैं।

भारत ने पिछले साल ओलंपिक की मेजबानी के लिए रुचि पत्र प्रस्तुत किया था और वह आईओसी के भविष्य मेजबान आयोग (एफएचसी) के साथ निरंतर संवाद प्रक्रिया में एक कदम आगे है। अगला कदम लक्षित संवाद प्रक्रिया है जिसके बाद ही एफएचसी आईओसी कांग्रेस को पसंदीदा मेजबान देश की सिफारिश करेगा। उन्होंने कहा कि 2036 ओलंपिक के लिए मेजबान देश का नाम दो साल बाद ही पता चलने की संभावना है क्योंकि आईओसी ने खुद पूरी प्रक्रिया पर 'रोक' लगाने की घोषणा की है। अय्यर ने कहा, हम इस समय आईओसी के साथ निरंतर बातचीत के दौर में हैं। आईओसी के लिए अभी ठहरकर सोचने का समय है क्योंकि उसे अभी नया अध्यक्ष मिला है जो आईओसी में कुछ बदलाव ला रहा है। अ

गले कुछ वर्षों में हमें पता चल जाएगा कि यह किस दिशा में बढ़ रहा है। वहीं आईओए के कार्यकारी सदस्य हरपाल सिंह ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की बोली के फैसले पर कहा, यह प्रक्रिया चल रही है। राष्ट्रमंडल खेल प्रतिनिधि, टीम प्रबंधन और खेल प्रबंधन पहले सभी संभावित मेजबानों से बातचीत करेंगे जिसके बाद नवंबर के आखिरी हफ्ते में ग्लास्गो में होने वाली आमसभा में मेजबान को चुना जाएगा। कनाडा के बोली की दौड़ से हटने के बाद भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि 2030 के खेल भारत में आयोजित होंगे।

डब्ल्यूडब्ल्यूई लीजेंड हल्क होगन की मौत कैसे हुई, डॉक्टरों ने बताई बड़ी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। सुपरस्टार हल्क होगन का 71 साल की उम्र में निधन हो गया, उन्होंने गुरुवार की सुबह फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर स्थित अपने घर में अंतिम सांस ली। डॉक्टरों ने बताआ है कि सुपरस्टार की मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट है। बताया जा रहा है कि डॉक्टर खुद हल्क होगन के घर पर आए थे, उन्हें तुरंत अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और

दुनिया ने इस लीजेंड को हमेशा के लिए खो दिया था। वैसे कुछ हफ्तों पहले ही ऐसी खबरें चली थीं कि हल्क होगन बेहोश हो गए थे। लेकिन उनती पत्नी स्काई ने उन खबरों का ना सिर्फ खंडन किया था बल्कि उन्होंने इसे अफवाह करार दिया था। उस समय तो उनकी पत्नी ने दो टूक कहा था कि उनके पति का दिल काफी मजबूत है और वे अपनी सर्जरी से उबर रहे हैं।

भावुक हुए फैंस

हल्क होगन का जाना सिर्फ रेसलिंग की दुनिया के लिए एक बड़ी क्षति नहीं है बल्कि एक पूरी पीढ़ी उन्हें देखते हुए बड़ी हुई है, जिन्होंने अपने टीवी पर होगन को रेसलिंग करते हुए देखा, उन्हें कितनी बार वर्ल्ड चैंपियन बनते हुए देखा है। सोशल मीडिया इस समय श्रद्धांजलि के मैसेजों से पट चुका है, हर कोई इस दिग्गज को नम आंखों से विदा कर रहा है।

कौन थे हल्क होगन?

हल्क होगन के करियर ती बात करें तो वह 80 के दशक से रेसलिंग की दुनिया में सक्रिय हो चुके थे, फैन्स तो उन्हें रियल लाइफ सुपरहीरो मानने लगे थे। उनका पीले-लाल रंग का कॉस्ट्यूम एक अलग ही पहचान बन चुका था. उन्होंने अपने करियर में इतने मैच जीते कि उन्हें 'हल्कमैनिया' का तमगा भी दिया गया।